website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 111 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 01 अप्रैल 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका कुछ हफ्तों में ईरान ऑपरेशन कर देगा खत्म - मार्को रुबियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका ईरान के खिलाफ अपने सैन्य ऑपरेशन के लक्ष्य को महीनों में नहीं, बल्कि कुछ हफ्तों में ही पूरा कर लेगा।

एक इंटरव्यू में रुबियो ने बताया कि अमेरिकी सेना तय समय से आगे चल रही है और ईरान की सैन्य ताकत को तेजी से कमजोर किया जा रहा है। रुबियो के अनुसार, इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य ईरान की एयर फोर्स और नेवी को निष्क्रिय करना और उसके मिसाइल लॉन्चरों की संख्या में भारी कमी लाना है। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका की शर्तें साफ हैं—ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न करे, आतंकवाद को समर्थन देना बंद करे और ऐसे हथियार बनाना बंद करे जो उसके पड़ोसी देशों के लिए खतरा बन सकते हैं। उन्होंने स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज को लेकर भी कड़ी चेतावनी दी और कहा कि इस अहम अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग पर नियंत्रण की किसी भी कोशिश को दुनिया स्वीकार नहीं करेगी। रुबियो ने यह भी बताया कि दोनों देशों के बीच बिचौलियों के जरिए बातचीत जारी है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि इस ऑपरेशन का मकसद ईरान में शासन परिवर्तन नहीं है, लेकिन अगर वहां नेतृत्व में बदलाव होता है तो अमेरिका इसका विरोध नहीं करेगा।

लोकसभा में अमित शाह का सख्त संदेश: 'हथियार उठाने वालों को नहीं बख्शेंगे'

नई दिल्ली । लोकसभा में वामपंथी उग्रवाद पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने साफ कहा कि यह नरेंद्र मोदी की सरकार है और जो भी हथियार उठाएगा,

उसे बख्शा नहीं जाएगा। गृह मंत्री ने 'रेड कॉरिडोर' में आए बदलाव का जिक्र करते हुए बताया कि पहले यह क्षेत्र 12 राज्यों और करीब 70% भूभाग में फैला हुआ था, लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं और नक्सलवाद पर काबू पाया जा रहा है। बस्तर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यहां नक्सलवाद लगभग समाप्ति की ओर है और अब विकास कार्य तेज गति से हो रहे हैं। गांव-गांव में स्कूल और राशन की दुकानों के जरिए आम लोगों तक सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। इस दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि 70 साल के शासन के बावजूद आदिवासी इलाकों का विकास नहीं हो पाया। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने लंबे समय में बुनियादी सुविधाएं क्यों नहीं पहुंच सकीं। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद केंद्र सरकार ने गरीबों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें आवास, गैस, शुद्ध पानी, 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा और मुफ्त राशन शामिल हैं। शाह ने विपक्ष से कहा कि वे पहले अपने कार्यकाल का आकलन करें, क्योंकि पूर्व सरकारें आदिवासी क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने में नाकाम रहीं।

बांके बिहारी मंदिर में रिंग सेरेमनी से बवाल, VIP कल्चर पर उठे सवाल

यूपी। उत्तर प्रदेश के मथुरा के वृन्दावन स्थित बांके बिहारी मंदिर में एक बार फिर वीआईपी कल्चर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक इन्फ्लुएंसर कपल मंदिर के वीवीआईपी क्षेत्र में खड़े होकर ठाकुर जी के सामने

एक-दूसरे को अंगूठी और माला पहनाते नजर आ रहा है, जबकि पीछे आम श्रद्धालुओं की लंबी कतार दिखाई दे रही है। इस घटना को लेकर लोगों में नाराजगी है और इसे मंदिर की परंपराओं के खिलाफ बताया जा रहा है। कई यूजर्स ने सवाल उठाए हैं कि जब आम भक्तों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है, तो कुछ लोगों को विशेष सुविधा कैसे दी जा रही है। मंदिर के सेवायतों ने भी इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इस तरह की मनमानी को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि अभी तक मंदिर प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। बताया जा रहा है कि यह घटना मंदिर बंद होने के आसपास की है, जब कुछ लोग विशेष अनुमति के साथ अंदर पहुंचे थे। इससे पहले भी यहां वीआईपी दर्शन को लेकर विवाद सामने आ चुके हैं, लेकिन व्यवस्थाओं में सुधार नहीं होने से श्रद्धालुओं का गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है।

दिल्ली जा रही फ्लाइट में धुआं, लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल के बागडोगरा (सिलीगुड़ी) से दिल्ली जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक फ्लाइट में तकनीकी खराबी के चलते अफरा-तफरी मच गई। कॉकपिट के इलेक्ट्रिक पैनल से धुआं निकलने के बाद पायलट ने तुरंत 'मेडे' कॉल जारी किया और विमान को आपात स्थिति में चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर की ओर मोड़ दिया गया। सूत्रों के अनुसार, विमान को एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) की निगरानी में सोमवार शाम करीब 5:18 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया। विमान में चालक दल के 6 सदस्यों सहित कुल 148 लोग सवार थे। लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और राहत की बात यह रही कि किसी के घायल होने की खबर नहीं है। एयरलाइन ने यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था की। ज्यादातर यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दूसरी उड़ानों में स्थान दिया गया। कुछ यात्रियों को टिकट की पूरी राशि वापस की गई, जबकि अन्य के लिए होटल में ठहरने और अगली फ्लाइट में बुकिंग की व्यवस्था की गई। घटना के बाद विमान की तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है।

एक-दो महीने में वित्तीय भूकंप आने वाला है

केरल में चुनावी मंच से राहुल गांधी का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि वित्तीय भूकंप आने वाला है। केरल के कोझीकोड में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'आप मुझे बेहतर जानते हैं कि मध्य पूर्व में क्या हो रहा है। वहां एक ड्रामा चल रहा है और एक त्रासदी घटित हो रही है। कोई नहीं जानता कि यह कहां खत्म होगी या कहां जाएगी। केरल और भारत के लोग इससे सीधे प्रभावित होने वाले हैं। ईंधन की कीमतें बढ़ेंगी, महंगाई बढ़ेगी और एक वित्तीय भूकंप आने वाला है। एक-दो महीने में यह वित्तीय भूकंप आ जाएगा। आपको बचाने के लिए इस एलडीएफ सरकार क्या कर रही है? मोदी कुछ नहीं कर सकते क्योंकि वे डोनाल्ड ट्रंप की ओर से चलाए जा रहे हैं। लेकिन केरल सरकार आपके जीवन को आसान बनाने के लिए क्या कर रही है?' राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि पीएम मोदी चाहते हैं कि केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) विधानसभा चुनाव जीते। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक

मोर्चा (UDF) एलडीएफ और भाजपा की मिलीजुली ताकत से लड़ रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है। माकपा के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे और यूडीएफ के बीच की लड़ाई है। पहली बार, हम भाजपा और वाम मोर्चे के बीच साझेदारी देख रहे हैं।' उन्होंने कहा कि यह काफी आश्चर्यजनक है कि एक वामपंथी पार्टी अति दक्षिणपंथी पार्टी के साथ गठबंधन कर रही है जबकि दोनों की विचारधारा एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत है।

भाजपा पर राहुल गांधी ने खूब साधा निशाना

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'सवाल है कि यह कैसे संभव है कि एक वामपंथी पार्टी दक्षिणपंथी पार्टी के साथ गठबंधन कर ले? यह एक पहेली की तरह है। इस पहेली के कुछ जवाब मंच पर बैठे हैं। आज यहां माकपा के 2 दिग्गज नेता हैं। वे हमारे मंच पर क्यों बैठे हैं और माकपा और मुख्यमंत्री के लिए प्रचार नहीं कर रहे हैं?' राहुल ने आरोप लगाया कि जिसे आज वाम मोर्चा कहा जाता है वह अब वामपंथी या मध्यमार्गी गठबंधन नहीं है। उन्होंने कहा, 'वास्तव में, वे भाजपा के साथ हैं क्योंकि वे कॉर्पोरेट पार्टियां हैं। वे अब लोगों की पार्टियां नहीं हैं। इसका प्रमाण अब मंच पर है। वामपंथी सोच वाले लोग कांग्रेस के साथ हैं और पार्टी उनका समर्थन कर रही है।' केरल में भाजपा के रुख पर सवाल उठाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री दूसरी जगहों पर धर्म, मंदिरों और भगवान के बारे में बात करते हैं, लेकिन वह राज्य में सबरीमाला से सोना गायब होने का मुद्दा नहीं उठाते। उन्होंने आरोप लगाया कि माकपा नेता सबरीमाला में सोना गायब होने के मामले में शामिल थे और भाजपा पर इस मुद्दे पर चुप रही। राहुल ने कहा, 'हिंदू धर्म के तथाकथित रक्षक जब केरल आते हैं तो सबरीमाला के बारे में नहीं बोलते। वह चाहते हैं कि राज्य में वाम मोर्चा चुनाव जीते।' उन्होंने कहा कि वामपंथी नेताओं का यूडीएफ के समर्थन से निर्दलीय चुनाव लड़ना दर्शाता है कि माकपा अब सच्ची वामपंथी पार्टी नहीं है। इसका कारण यह है कि भाजपा केरल में माकपा को सत्ता में चाहती है। क्योंकि वे जानते हैं कि माकपा को नियंत्रित कर सकते हैं। वे जानते हैं कि वे यूडीएफ और कांग्रेस को नियंत्रित नहीं कर सकते।

पांडुलिपियों के संरक्षण पर पीएम मोदी का जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी ने भगवान महावीर जयंती के अवसर पर गांधीनगर स्थित कोबा तीर्थ में सम्राट संप्रति संग्रहालय का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने बहुमूल्य पांडुलिपियों के संरक्षण की उपेक्षा की, लेकिन उनकी सरकार अब इन गलतियों को सुधारने में जुटी है। प्रधानमंत्री ने जैन धर्म की विरासत और ज्ञान परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि यह संग्रहालय भारतीय संस्कृति और प्राचीन धरोहर को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। उन्होंने बताया कि "ज्ञान भारतम मिशन" के तहत प्राचीन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण और वैज्ञानिक तरीकों से संरक्षण किया जा रहा है, ताकि यह धरोहर आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रह सके। पीएम मोदी ने सम्राट संप्रति के अहिंसा और सेवा भाव का उल्लेख करते हुए इसे भारतीय परंपरा का प्रतीक बताया। उन्होंने इस अवसर पर देशवासियों से 10 संकल्प लेने का आह्वान भी किया, जिनमें जल संरक्षण, स्वच्छता, वोकल फॉर लोकल, प्राकृतिक खेती, योग और गरीबों की सहायता जैसे मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत की समृद्ध विरासत को संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

मदन राठौड़ की '75 वर्ष में संन्यास' वाली नसीहत पर बवाल, टीकाराम जूली बोले- 'PM मोदी को...'

जयपुर । भारतीय राजनीति में '75 वर्ष के बाद संन्यास' का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। राजस्थान के बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को 75 वर्ष की उम्र के बाद 'संन्यास आश्रम' में जाने की नसीहत देने पर बड़ा सियासी बवाल खड़ा हो गया है। विपक्ष ने इस बयान को सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जोड़कर बीजेपी पर तीखा तंज कसा है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत द्वारा राज्य सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों का जवाब देते हुए बीजेपी

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मीडिया से कहा, "गहलोत साहब को अब धैर्य रखना चाहिए। 75 वर्ष के बाद तो संन्यास आश्रम होता है, इसलिए उनको संन्यास आश्रम चले जाना चाहिए।"

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का पलटवार

इस बयान पर तुरंत पलटवार करते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा, "मदन राठौड़ दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कुर्सी से हटाना चाहते हैं। जूली ने तंज कसते हुए कहा, "बीजेपी के अंदर एक गुट है जो मोदी जी को पसंद नहीं करता, शायद राठौड़ जी उसी गुट में हैं। मोदी जी की उम्र भी 75 वर्ष हो चुकी है, इसलिए वे 75 वर्ष बाद राजनीतिक संन्यास की बात कहकर उन्हें पद से हटाना चाहते हैं।" जूली ने याद दिलाया कि बीजेपी ने इसी नियम का हवाला देकर लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे वरिष्ठ नेताओं को बाहर कर दिया था। वर्ष 2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने थे, तब 75 वर्ष के बाद वरिष्ठ नेताओं के संन्यास की बात उठी थी। अब मदन राठौड़ के इस बयान ने ठंडी पड़ी इस बहस को फिर से हवा दे दी है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि विपक्ष द्वारा इस बयान को सीधे पीएम मोदी से जोड़ने के बाद राठौड़ की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

होर्मुज स्ट्रेट नहीं खुला तो भी ट्रंप ईरान के साथ युद्ध खत्म करने को तैयार हैं: अमेरिकी मीडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संघर्ष रोकने के लिए हामी भरी है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने ट्रंप सरकार के अधिकारियों के हवाले से बताया कि राष्ट्रपति ने अपने साथियों से कहा है कि वह ईरान के साथ अमेरिका-इजरायल युद्ध खत्म करने को तैयार हैं, भले ही होर्मुज स्ट्रेट काफी हद तक बंद रहे। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप और उनके सहयोगियों का मानना है कि दुनिया के लिए ज़रूरी तेल सप्लाई वाले समुद्री रास्ते को खोलने की कोशिश से ईरान के साथ जंग लंबी खिंच सकती है। ट्रंप ने इस जंग को खत्म करने के लिए 4 से 6 हफ्ते का समय तय किया था, लेकिन इस मिशन की वजह से जंग इस समय से ज़्यादा आगे बढ़ सकती है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि ट्रंप ने फैसला किया कि अमेरिका को ईरान की नेवी और मिसाइल स्टॉक को कमजोर करने के अपने मुख्य मकसद को पाने पर ध्यान देना चाहिए। तेहरान पर स्ट्रेट के जरिए

ट्रेड के फ्री फ्लो को फिर से शुरू करने के लिए डिप्लोमैटिक दबाव डालना चाहिए। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ने फैसला लिया है कि अगर ये सभी कोशिशें नाकाम हो जाती हैं, तो व्हाइट हाउस यूरोपीय और गल्फ सहयोगियों पर इसे फिर से खोलने में आगे आने के लिए दबाव डालेगा। अधिकारियों ने आगे कहा कि सैन्य विकल्प अभी भी टेबल पर हैं, लेकिन वे राष्ट्रपि ट्रंप की तुरंत की प्राथमिकता नहीं हैं। हालांकि, इन आकलन के बावजूद, ईरान के साथ संघर्ष को लेकर ट्रंप का पब्लिक मैसेज एक जैसा नहीं रहा है। सोमवार सुबह, उन्होंने धमकी दी कि अगर जल्दी डील नहीं हुई तो वह ईरान के सभी इलेक्ट्रिक प्लांट, तेल के कुओं और खार्ग आइलैंड को पूरी तरह से खत्म कर देंगे। इस बीच, सरकार ने इस इलाके में अमेरिकी सेना की मौजूदगी को मजबूत करने के लिए कदम उठाए हैं। पिछले हफ्ते यूएसएस त्रिपोली और 31वीं मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट इस इलाके में दाखिल हुई और 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के कुछ हिस्से भी पहुंचने लगे हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, 10,000 और जमीनी सैनिकों की तैनाती पर भी विचार किया जा रहा है। ट्रंप ईरान के यूरेनियम संवर्धन पर कब्जा करने के लिए एक मुश्किल मिशन के बारे में भी सोच रहे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने सोमवार को कहा कि अमेरिका स्ट्रेट के जरिए नॉर्मल शिपिंग को फिर से शुरू करने की दिशा में काम कर रहा है, हालांकि इसे फिर से खोलना सरकार के मुख्य सैन्य मकसदों में शामिल नहीं है। ट्रंप का मुख्य मकसद ईरान की नौसेना, मिसाइल प्रोग्राम, रक्षा उद्योग और न्यूक्लियर इंफ्रास्ट्रक्चर को टारगेट करने पर केंद्रित है।

वोटर हाइजैकिंग हो रही....

बाहरी लोगों को बंगाल की मतदाता सूची में घुसाने की कोशिश- ममता बनर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को मंगलवार को पत्र लिखा। उन्होंने राज्य में लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने की साजिश का आरोप लगाया है। टीएमसी चीफ ने कहा कि भाजपा एजेंट्स मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में हजारों फर्जी फॉर्म-6 आवेदन भरकर गैर-निवासियों और बाहरी लोगों को बंगाल की मतदाता सूची में घुसाने की कोशिश कर रहे हैं। यह वोटर हाइजैकिंग का प्रयास है, जिसे बीजेपी ने पहले महाराष्ट्र और दिल्ली में अंजाम दिया था। ममता ने दावा किया कि इससे बंगाल की 2026 विधानसभा चुनावों की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है। ममता बनर्जी ने अपने एक्स पोस्ट और पत्र में कहा कि 60 लाख से अधिक वैध मतदाताओं के आवेदनों का निपटारा लंबित है। SIR प्रक्रिया में 200 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। मगर, चुनाव आयोग फर्जी आवेदनों को बंद दरवाजों के पीछे जल्दबाजी में स्वीकार कर रहा है। उन्होंने इसे अवैध और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के खिलाफ बताया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि यह भाजपा और ईसीआई की मिलीभगत है, जो बंगाल के लोकतंत्र पर सीधा हमला है।

चुनाव आयोग पर लगाए गंभीर आरोप

टीएमसी चीफ ने मांग रखी कि चुनाव आयोग इस गैर-लोकतांत्रिक प्रक्रिया को तुरंत रोक दे और 28 फरवरी को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के बाद कोई फर्जी वोटर न जोड़ा जाए। पत्र में ममता बनर्जी ने लिखा कि भाजपा एजेंट्स की ओर से विभिन्न जिलों में बड़े पैमाने पर फॉर्म-6 जमा किए जा रहे हैं, जो सामान्य आवेदन नहीं बल्कि बंगाल में गैर-निवासियों को शामिल करने की चाल है। उन्होंने चेतावनी दी कि बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में भी ऐसे ही पैटर्न देखे गए थे। ऐसी कार्रवाई अगर सही साबित हुई तो यह असंवैधानिक और लोकतंत्र विरोधी होगा। ममता बनर्जी ने कहा कि लोगों को पारदर्शिता और अपने मताधिकार की सुरक्षा का अधिकार है। उन्होंने ईसीआई से तत्काल कार्रवाई की मांग की ताकि बंगाल का लोकतंत्र चोरी न हो सके। इस घटना के बीच ममता बनर्जी ने रविवार को पुरुलिया में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर दंगे भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि अगर बीजेपी सत्ता में आई तो लोग नॉन-वेजिटेरियन भोजन भी नहीं खा सकेंगे। 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो गया है। एक ओर ममता वोटर सूची में हेराफेरी का आरोप लगा रही हैं, वहीं दूसरी ओर भाजपा तृणमूल पर मतदाताओं को धमकाने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगा रही है।

भाजपा ने जारी किया घोषणापत्र:

एम्स, मेट्रो और हाई-स्पीड कॉरिडोर का वादा

नई दिल्ली । भाजपा ने मंगलवार को केरल विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र में पार्टी ने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और कल्याणकारी उपायों के एक महत्वाकांक्षी मिश्रण की रूपरेखा प्रस्तुत की। चुनावी घोषणापत्र में केरल में एक एम्स स्थापित करने, तिरुवनंतपुरम और कोझिकोड में मेट्रो रेल परियोजनाएं शुरू करने और तिरुवनंतपुरम से कन्नूर तक एक हाई-स्पीड कॉरिडोर लागू करने का वादा किया गया है। आश्वासनों में गरीब परिवारों के लिए सालाना दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, हर महीने प्रति घर 20 हजार लीटर मुफ्त पीने का पानी और पेंशन को बढ़ाकर 3 हजार रुपए करना शामिल है। इसके अलावा, पार्टी ने देवस्वम बोर्डों का पुनर्गठन करने और सबरीमाला सोने की तस्करी मामले में सीबीआई जांच शुरू करने का भी संकल्प लिया है। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने यह घोषणापत्र जारी किया। इस अवसर पर केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर और पार्टी के अन्य नेता शामिल हुए। भाजपा ने 2016 में नेमोम

से वरिष्ठ नेता ओ राजगोपाल के जरिए अपनी एकमात्र विधानसभा सीट जीती थी। हालांकि, 2021 में एक कड़े त्रिकोणीय मुकाबले में सीपीआई-एम के वी शिवनकुट्टी ने यह विधानसभा सीट फिर से हासिल कर ली। शिवनकुट्टी अब इस सीट को अपने पास बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि चंद्रशेखर विधानसभा चुनावों की घोषणा से काफी पहले ही अपनी उम्मीदवारी का ऐलान करने वाले पहले व्यक्ति थे, जिससे भाजपा के अपने खोए हुए राजनीतिक आधार को फिर से हासिल करने के इरादे का संकेत मिला। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 12.41 प्रतिशत था, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में बढ़कर 15.64 प्रतिशत हो गया। इसमें त्रिशूर में मिली बड़ी जीत का अहम योगदान रहा। हालांकि, यह बढ़त एक जैसी नहीं रही। 2025 के स्थानीय निकाय चुनाव में वोट शेयर गिरकर 14.71 प्रतिशत पर आ गया, जबकि तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन में पार्टी को एक अहम जीत मिली थी। नेमोम एक प्रमुख राजनीतिक अखाड़ा बना हुआ है, जो केरल में भाजपा के बदलते चुनावी भाग्य को दर्शाता है। भाजपा ने 2024 के संसदीय चुनावों के दौरान विधानसभा सीट पर चंद्रशेखर की बढ़त को पार्टी की संभावित वापसी का संकेत बताया। साथ ही, वह अपनी इस बढ़ती पकड़ को आगामी विधानसभा चुनावों में एक निर्णायक जीत में बदलने की कोशिश भी कर रही है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

बिहार की राजनीति में नया मोड़, केंद्र की ओर बढ़ते कदम

बिहार की सियासत इन दिनों एक बड़े बदलाव के दौर से गुजरती दिख रही है। नीतीश कुमार का विधान परिषद से इस्तीफा महज एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक लंबे राजनीतिक अध्याय के समापन और नए दौर की शुरुआत का संकेत है। यह वही नेता हैं जिन्होंने लालू प्रसाद यादव के दौर के बाद "सुशासन" और विकास को राजनीति के केंद्र में स्थापित किया। अब जब उनके केंद्र की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने की संभावना बन रही है, तो इसका असर केवल उनके व्यक्तिगत करियर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बिहार की पूरी सत्ता संरचना पर पड़ेगा। नीतीश कुमार की राजनीति हमेशा संतुलन, व्यावहारिकता और समय के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता के लिए जानी जाती रही है। उन्होंने कई बार बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी। लेकिन इस बार परिस्थिति कुछ अलग है। राज्यसभा के लिए उनका चयन और उसके बाद विधान परिषद से इस्तीफा यह संकेत देता है कि अब उनकी भूमिका राष्ट्रीय स्तर पर अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि केंद्र में उन्हें किस प्रकार की जिम्मेदारी मिलेगी, लेकिन इतना तय है कि उनकी राजनीतिक सक्रियता अब बिहार की सीमाओं से आगे बढ़ेगी। इस संभावित बदलाव का सबसे बड़ा असर बिहार की सत्ता पर पड़ेगा। संवैधानिक रूप से भले ही वे कुछ समय तक मुख्यमंत्री पद पर बने रह सकते हैं, लेकिन राजनीतिक संकेत यह बताते हैं कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की जमीन तैयार हो चुकी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भारतीय जनता पार्टी पहली बार बिहार में अपना मुख्यमंत्री बनाने में सफल होगी? अब तक भाजपा बिहार में सहयोगी की भूमिका में रही है, जहां अंतिम निर्णयों में जनता दाल (यूनाइटेड) और विशेषकर नीतीश कुमार का प्रभाव निर्णायक रहा। यदि भाजपा इस बार नेतृत्व अपने हाथ में लेती है, तो उसे केवल सत्ता संभालने की नहीं, बल्कि राज्य के जटिल सामाजिक और जातीय समीकरणों को साधने की चुनौती भी होगी। बिहार की राजनीति में जातीय आधार अब भी एक निर्णायक कारक है, जिसे नजरअंदाज करना किसी भी दल के लिए जोखिम भरा हो सकता है। मुख्यमंत्री पद की संभावित दौड़ में सम्राट चौधरी का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है। कुशवाहा समाज से आने वाले सम्राट चौधरी ओबीसी समीकरणों को साधने में भाजपा के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। वहीं नित्यानंद राइ का नाम भी चर्चा में है, जो यादव समुदाय से आते हैं और केंद्र में अनुभव रखते हैं। इन दोनों नेताओं के बीच संतुलन बनाना भाजपा के लिए आसान नहीं होगा। इस पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण पहलू नीतीश कुमार की "मौन सहमति" भी है। भले ही वे औपचारिक रूप से पद छोड़ दें, लेकिन बिहार की राजनीति में उनका प्रभाव अभी समाप्त नहीं हुआ है। भाजपा को यह समझना होगा कि राज्य में स्थिरता बनाए रखने के लिए नीतीश का समर्थन और सहयोग आवश्यक रहेगा।

आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

ललित गर्ग

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद, माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेज़ी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है। माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए।

> पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है। माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है...

ईंधन संकट
अखिलेश आर्येन्दु

रूस का खामोश खेल और भारत में तेल-गैस की चुनौती

रूस ने 1 अप्रैल से चार महीने के लिए पेट्रोल (गैसोलीन) के निर्यात को स्थगित करने की घोषणा की है। इस घोषणा के पीछे रूस ने अपने घेरलू बाजार में ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने और वैश्विक बाजार में तेल की बढ़ रही कीमतों को नियंत्रित करने के बाबत उठाया गया कदम बताया है। रूस की इस घोषणा से दुनियाभर में तेल की कीमतों में हलचल देखा जा रहा है। रूस रोज़ाना 1,20,000 से 1,70,000 बैरल तेल निर्यात करता है। इससे उसको रोजाना करोड़ों डालर की आमदनी होती है। ब्राजील, चीन, तुर्की, सिंगापुर और अफ्रीका उसके मुख्य तेल के खरीददार हैं। भारत भी बहुत बड़े पैमाने पर रूस से तेल खरीदता है, लेकिन वह तेल कच्चा होता है। रूस से जो तेल भारत को अभी तक मिलता रहा है वह अन्य देशों से खरीदे गए तेलों से सस्ता और बेहतर है। इसलिए कहा जा रहा है कि जब रूस तेल निर्यात करना बंद कर देगा तो, भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए सस्ते दामों पर खरीदने का कार्य किन देशों से करेगा? यह भी कहा जा रहा है कि रूस दुनिया के दूसरे देशों को तेल देना भले बंद कर देगा, लेकिन भारत को कच्चा तेल देना बंद नहीं करेगा। सवाल यह किया जा रहा है कि रूस तेल के मामले में इस तरह का कदम क्यों उठाने जा रहा है? इसके पीछे उसका कोई बड़ा मकसद हासिल करना है या दुनिया को यह एहसास कराना है कि महाशक्ति रूस है, अमेरिका नहीं, जिसके पास तेल रूपी हथियार की वह ताकत है जो अमेरिका के पास नहीं है। सामरिक जानकारी रखने वालों का कहना है कि तेल निर्यात बंद करने की घोषणा के पीछे रूस का वह खामोश खेल है जो वह चुपचाप खेल रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि रूस दुनिया की तेल के बाजारों में तेल की कीमतों को उस ऊंचाई तक ले जाना चाहेगा जिससे उसे बहुत बड़ी धनराशि कुछ ही दिन में मिल जाएगी। दूसरी बात। रूस की इस नई घोषणा से तेल के लिए निर्भर देश उससे इस घोषणा को वापस लेने का दबाव बना सकते हैं, जिसके जवाब में रूस अपनी नई नीति और योजना का खुलासा उपयुक्त अवसर पर कर सकता है। इस वक्त दुनिया के तेल बाजार में उतार-चढ़ाव की हलचल देखी जा रही है। अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध होते 20 दिन गुजर चुके हैं। अमेरिका ने एक सप्ताह पहले भारत सहित दुनियाभर के उन देशों से निवेदन किया था कि रूस से तेल खरीदने वाले सभी देश वहां से ज्यादा से ज्यादा तेल खरीदें, जिससे दुनिया में तेल को लेकर कोई संकट न खड़ा हो। लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान द्वारा तेल जहाजों की नाकेबंदी ने अमेरिका की इस अपील को मूर्तरूप नहीं दिया जा सका। यहां तक कि चीन के तेल टंकरों को ईरान (होर्मुज) गुजरने की अनुमति नहीं दे रहा है।

रूस की खामोशी इस तरह की है जैसे बरात बिदा हो जाने के अगले दिन होती है। वह ईरान को मदद इस तरह से कर रहा है जो न तो पूरी तरह परोक्ष है और न तो पूरी तरह अपरोक्ष ही है। रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका ने खुलकर यूक्रेन का साथ दिया और अपने मित्र देशों से दिलवाया भी, लेकिन रूस की नीति इस मामले में एकदम अलग तरह की है। वह ईरान को नैतिक मदद दे रहा है साथ ही, तेल के मामले में ईरान को होर्मुज में नाकेबंदी कर आमदनी बढ़ाने की सलाह गुपचुप दे रहा है।

भारत में धीरे-धीरे ही सही गैस और तेल संकट का आगाज दिखाई देने लगा है। केंद्र सरकार लगातार गैस और तेल की किल्लत से इनकार जरूर कर रही है, लेकिन दिल्ली से बाहर गैस संकट साफ दिखाई देने लगा है। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते से गैस और तेल के जहाज भारत पहुंच तो रहे हैं, लेकिन उतने नहीं, जितने की जरूरत है। दूसरी बात। देशभर में जमाखोरों के पौ-बारह होते दिखाई दे रहे हैं। यह भ्रष्टाचार, चोरबाजारी और कालाबाजारी की वजह से आया हुआ संकट है, जिसे तेल आयात करके नहीं, बल्कि पुलिस प्रशासन और खुफिया-तंत्र को सक्रिय और जागरूक करके कम किया जा सकता है। गैस और तेल की पूर्ति के लिए आत्मनिर्भर होने की कावयद वर्षों से होती रही है, लेकिन सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, गैस गोबर और कचरे व अन्य चीजों से बनाई तेल व गैस की पूर्ति नहीं हो पाई है। भारत के सामने जैसी चुनौती है उससे कहीं ज्यादा चुनौती भारत के पड़ोसी देशों में देखी जा रही है। फिर भी परेशानी से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता है। केंद्र सरकार पूरी तरह मुस्तैदी से इस संकट को दूर करने में अपना उच्चतम प्रयास कर रही है, जिसमें सफलता भी मिल रही है, लेकिन देश के हर व्यक्ति को इस नए संकट से पैदा होने वाली परेशानियों और चुनौतियों को मिलकर हल करना होगा, जो धैर्य के साथ हो सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संपत्ति को परमार्थ में न लगाना ही असफलता

संकलित
दर्शन

संतोष सभी गुणों में सर्वोपरि है। जीवन में संतुष्टि है, तो सद्गुणों को अपनाना सहज है। जहां सद्गुणों का वास है, वहां दुर्गुणों का नाश हो ही जाता है। क्योंकि, असंतुष्टि अशांति व अवगुणों की जननी है। असंतुष्टि का कारण अप्राप्ति है, किसी न किसी इच्छा या अपेक्षा की अपूर्ति है। ईश्वरीय ज्ञान, गुण व शक्तियों की प्राप्ति, धारणा व उपार्जन से इंसान की सभी सदिच्छाओं व आवश्यकताओं की सहज पूर्ति हो जाती है। संतुष्ट आत्मा बनने का अर्थ है सदा सत्य और सदाचार के मार्ग पर चलना। संतोष द्वारा सर्व दिव्य गुणों का आह्वान होता है, जिससे सर्व अवगुणों की आहुति स्वतः हो जाती है। जीवन में अप्राप्ति या असंतुष्टि का कारण अंदर की कमियां या कमजोरियां ही हैं, जो परमात्म ज्ञान और योग साधना की प्राप्तियों से दूर हो जाती हैं। जिन्हें सर्व प्राप्तियां हैं, उसके चिह्न उनके मुख और व्यक्तित्व में प्रसन्नता के रूप में दिखाई देते हैं। आजकल लोगों के चेहरे पर सदा प्रसन्नता की झलक देखने को नहीं मिलती है। इंसान कभी प्रसन्नचित्त है तो और कभी प्रश्नचित्त बन जाता है। किसी भी परिस्थिति में हम क्यों, क्या, कैसे, कब... जैसे प्रश्नों से प्रश्नचित्त बन जाते हैं। पर कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो सदा प्रसन्नचित्त होते हैं। उनकी किसी भी बात में प्रश्न नहीं होता है। जो प्राप्तियों से सम्पन्न होता है, उसमें हलचल नहीं होती है। जो खाली होता है, उसमें हलचल होती है। स्वयं से पूछिए कि क्या मैं सदा प्रसन्नचित्त रहता या रहती हूं? यदि प्रसन्नता कम होती है तो उसका कारण प्राप्ति की इच्छा है।

गणेश विनायक जी की कथा

संकलित
प्रेरणा

एक गांव में मां-बेटी रहती थीं। एक दिन वह अपनी मां से कहने लगी कि गांव के सब लोग गणेश मेला देखने जा रहे हैं, मैं भी मेला देखने जाऊंगी। माँ ने जाने से पहले बेटी को दो लड्डू दिए और एक घण्टी में पानी दिया। मां ने कहा कि एक लड्डू तो गणेश जी को खिला देना और थोड़ा पानी पिला देना। दूसरा लड्डू तुम खा लेना और बचा पानी भी पी लेना। लड़की मेले में चली गई। मेला खत्म होने पर सभी गांववाले वापिस आ गए लेकिन लड़की वापिस नहीं आई। लड़की मेले में गणेश जी के पास बैठ गई और कहने लगी कि एक लड्डू और पानी गणेश जी तुम्हारे लिए और एक लड्डू और बाकी बचा पानी मेरे लिए। इस तरह कहते-कहते सारी रात बीत गई। गणेश जी यह देखकर सोचने लगे कि अगर मैने यह एक लड्डू और पानी नहीं पीया तो यह अपने घर नहीं जाएगी। यह सोचकर गणेश जी एक लड़के के वेश में आए और उससे एक लड्डू लेकर खा लिया और साथ ही थोड़ा पानी भी पी लिया फिर वह कहने लगे कि मांगो तुम क्या माँगती हो? लड़की मन में सोचने लगी कि क्या मांगू? अन्न मांगू या धन मांगू या अपने लिए अच्छा वर माँगू या खेत मांगू या महल मांगू! वह मन में सोच रही थी तो गणेश जी उसके मन की बात को जान गए। वह लड़की से बोले कि तुम अपने घर जाओ और तुमने जो भी मन में सोचा है वह सब तुम्हें मिलेगा। लड़की घर पहुंची तो मां ने पूछा कि इतनी देर कैसे हो गई? बेटी ने कहा कि आपने जैसा कहा था मैंने वैसा ही किया है और देखते ही देखते जो भी लड़की ने सोचा था वह सब कुछ हो गया।

अंतर्मन

आज की पाती

अपने ऊपर नियंत्रण रखना सिखाती है शिक्षा

मनुष्य के जीवन में शिक्षा का महत्व अत्यंत गहरा माना गया है, परंतु केवल पुस्तकीय ज्ञान या डिग्रियों का संग्रह ही किसी को शिक्षित नहीं बनाता। वास्तविक शिक्षा वह है जो व्यक्ति को अपने ऊपर नियंत्रण रखना सिखाए। यदि कोई व्यक्ति हर परिस्थिति में स्वयं को संयमित रख सकता है तो वही सच्चे अर्थों में शिक्षित कहलाने योग्य है। इसके विपरीत यदि मन में उठने वाली उत्तेजनाओं और आवेगों पर नियंत्रण नहीं है तो ऐसी शिक्षा का कोई वास्तविक मूल्य नहीं रह जाता। जीवन में महान कार्यों की प्राप्ति तभी संभव है जब व्यक्ति स्वयं का स्वामी बने और अपने विचारों तथा भावनाओं को दिशा देने में सक्षम हो। इतिहास इस सत्य का साक्षी रहा है कि आत्मसंयम के अभाव में असंख्य लोगों का जीवन नष्ट हुआ है। अनेक प्रतिभाशाली व्यक्ति अपनी ही कमजोरियों के कारण सब कुछ खो बैठे।

- शरद ताम्रकार, दुर्ग

X ट्रेंड f

आदिवासियों को अंधेरे में रखा

जो लोग पूरी व्यवस्था को नकार कर हथियार उठा लेते हैं, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। सालों से आदिवासियों को अंधेरे में रखा गया। वामपंथियों ने अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए आदिवासियों को बहकाया। **-अमित शाह**, केंद्रीय गृहमंत्री

जीएसवी में बने उत्कृष्टता केंद्र

विनिर्माण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रतिभाओं के विकास के लिए गतिशक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) में एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाना चाहिए। विमानन, रेलवे, समुद्री, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि जैसे क्षेत्रों के लिए विनिर्माण प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण में उच्च स्तर की सटीकता और प्रयास की जरूरत होती है। **-अश्विनी वैष्णव**, रेल मंत्री

देश को बांट रही भाजपा

भाजपा समाज के सभी वर्गों के बीच झगड़ा भड़का रही है। चुनाव के बाद गैस और कैश देना बंद कर देगी। भाजपा देश लूटना चाहती है। लेकिन पश्चिम बंगाल की जनता भाजपा को कड़ा सबक सिखाएगी। भाजपा ने हमेशा धर्म के नाम पर देश को बांटने का प्रयास किया है। **-ममता बनर्जी**, सीएम, बंगाल

सबको पता है सच

केरल की जनता जमीनी सच्चाई अच्छी तरह जानती। किसी भी बयान से हकीकत नहीं बदलेगी। पूरा केरल जानता है कि असली गठबंधन किसके बीच है। प्रधानमंत्री कुछ भी कहें, सच सबको पता है। भाजपा कभी भी देश का विकास नहीं कर सकती। **-प्रियंका गांधी**, कांग्रेस सांसद

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

इजराइल की संसद ने बजट किया पारित

इजराइल की संसद ने सोमवार को रातभर चले एक मैराथन सत्र में वार्षिक बजट पारित कर दिया, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर सकेगी। इजराइल को समय पूर्व चुनाव से बचने के लिए एक अप्रैल से पहले बजट पारित करना आवश्यक था। नेतन्याहू के पास अब भी यह अधिकार सुरक्षित है कि यदि वह चाहें तो समय से पहले चुनाव करा सकते हैं। इजराइल के विपक्षी दल ने बजट की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इसमें अति-रूढ़िवादी समुदायों को मिलने वाली धनराशि में वृद्धि की गई है, जबकि देश ईरान में युद्ध के कारण बढ़ती महंगाई का सामना कर रहा है और गाजा में दो साल से जारी युद्ध से अभी तक उबर नहीं पाया है। नेता प्रतिपक्ष यायर लैपिड ने इसे 'देश के इतिहास की सबसे बड़ी चोरी' बताया। आगामी चुनावों में नेतन्याहू को चुनौती देने की उम्मीद रखने वाले पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने लिखा, 'लालच और छल की सरकार ने रात में डकैती की है।' विपक्षी दल अंतिम समय में किए गए उस संशोधन से विशेष रूप से नाराज थे, जिसमें अति-रूढ़िवादी स्कूलों को अतिरिक्त 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रदान किए गए थे।

ऑफ बीट

धीरे-धीरे दौड़ने के होते हैं कई फायदे

धावकों को समय को लेकर जुनून होता है। शौकिया हों या पेशेवर, अधिकतर धावकों का उद्देश्य तेजी से दौड़ना होता है। वे अपने मैराथन समय में से कुछ सेकंड कम करने के लिए लगातार प्रशिक्षण लेते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में दौड़ने का जो चलन जोर पकड़ रहा है, वह है 'धीमी गति से दौड़ना'। इस चलन के पीछे विचार यह है कि कोई भी दौड़ सकता है – चाहे आपकी क्षमता कुछ भी हो या आप कितनी भी तेज दौड़ें। एक मजबूत आधार विकसित करने से काम करने वाली मांसपेशियों को प्रति धड़कन अधिक ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता मिलती है, जो दौड़ में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं, बल्कि धीमी गति से दौड़ने से शरीर ऊर्जा के लिए संग्रहीत वसा का इस्तेमाल करता है। यह प्रक्रिया खाद्य पदार्थों से प्राप्त कार्बोहाइड्रेट संग्रह पर निर्भर रहने के विपरीत है। शरीर में एकत्र वसा का खंडित होना चयापचय की दृष्टि से कहीं अधिक कुशल प्रक्रिया है, क्योंकि वसा के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा कार्बोहाइड्रेट के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा से कहीं अधिक होती है। इसका मतलब है कि धावक कुल मिलाकर कम ऊर्जा का उपयोग करेंगे और कम थकेंगे तथा दौड़ के दिन तेजी से दौड़ने में सक्षम होंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विजन: 'लोकल टू ग्लोबल' बन रहे राजस्थान के उत्पाद

-एक जिला-एक उत्पाद नीति से वैश्विक पहचान की ओर बढ़ते कदम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार स्थानीय विकास को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में एक जिला एक उत्पाद नीति-2024 के माध्यम से राजस्थान के प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया जा रहा है। यह नीति स्थानीय उत्पादों, कारीगरों और उद्यमियों को सशक्त बनाते हुए प्रदेश में रोजगार और आर्थिक विकास को नई गति दे रही है।

स्थानीय विकास से ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए हर गाँव, तहसील और जिले के समग्र स्थानीय विकास पर जोर दिया है। उनके अनुसार वोकल फॉर लोकल, सबका साथ-सबका विकास से ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। ओडीओपी नीति के माध्यम से लोकल से ग्लोबल का सपना साकार हो रहा है और राजस्थान के उत्पाद विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। इस नीति के तहत राज्य के प्रत्येक जिले में उत्पाद का चयन किया गया है, जिससे स्थानीय संसाधनों और कौशल का बेहतर उपयोग हो सके। साथ ही, प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को संरक्षित रखते हुए प्रमुख उत्पादों को प्रोत्साहित किया जाएं। इस नीति के माध्यम से गांवों में उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है तथा उद्यमियों को तकनीकी सहयोग, वित्तीय सहायता और बाजार तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। नीति के अंतर्गत उद्योगों को मार्जिन मनी अनुदान, एडवांस टेक्नोलोजी और सॉफ्टवेयर खरीदने, क्वालिटी सर्टिफिकेशन व आईपीआर, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेने पर पुनर्भरण सहायता प्राप्त होगी।

उद्यमियों को दी जा रही व्यापक वित्तीय एवं तकनीकी सहायता—

राज्य सरकार द्वारा उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए व्यापक वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है।

इसी क्रम में इस नीति के तहत नए लघु एवं सूक्ष्म ओडीओपी उद्यम स्थापित करने के लिए परियोजना लागत का अधिकतम 25 प्रतिशत (अधिकतम 25 लाख रुपये) तक मार्जिन मनी सब्सिडी देय है। साथ ही, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के तकनीकी उन्नयन के लिए नवीनतम तकनीक एवं सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर 50 प्रतिशत तक (अधिकतम 5 लाख रुपये) की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। एक जिला-एक उत्पाद नीति में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण पत्रों और बौद्धिक संपदा अधिकारों पर किए गए खर्चों के लिए 3 लाख रुपये तक 75 प्रतिशत पुनर्भरण का प्रावधान है। साथ ही, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर शामिल होने के लिए दो साल तक प्रति वर्ष 1 लाख रुपये तक 75 प्रतिशत पुनर्भरण भी देय है। टेक्नोलॉजिकल अपग्रेडेशन को बढ़ावा देने के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय संस्थानों से एडवांस्ड टेक्नोलॉजी या सॉफ्टवेयर खरीद पर 5 लाख रुपये तक 50 प्रतिशत सब्सिडी मुहैया कराई जाती है।

उत्पाद की मार्केटिंग एवं तकनीकी उन्नयन में भी सहयोग—

इस नीति के तहत उद्यमियों को कैटलॉगिंग सेवाओं और ई-कॉमर्स वेबसाइट के डवलपमेंट के लिए 60 प्रतिशत और अधिकतम 75 हजार तक सहायता देकर डिजिटल मार्केट के विस्तार में सहयोग दिया जा रहा है, जिससे उत्पादों की ब्रांडिंग हो सके, साथ ही, बाजार तक बहुत सुनिश्चित हो। वित्तीय प्रोत्साहन, टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट और मार्केट विस्तार जैसे पहलों के माध्यम से यह नीति जिला स्तर के उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है।

विभिन्न प्रदर्शनियों का आयोजन, उद्यमियों को प्रशिक्षण—

इस नीति के सफल क्रियान्वयन से प्रदेश में उद्यमिता और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है। अब तक अनेक लाभार्थियों सहायता राशि वितरित की जा चुकी है, जिससे उद्यमों की स्थापना, विपणन सुदृढ़ीकरण एवं उत्पादक इकाइयों के उन्नयन को प्रोत्साहन मिला है। नीति के तहत मार्जिन मनी सहायता में सर्वाधिक निवेश हुआ है। वहीं मार्केटिंग, ई-कॉमर्स, गुणवत्ता प्रमाणन एवं तकनीकी उन्नयन जैसे क्षेत्रों में भी व्यापक सहयोग दिया जा रहा है। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा ओडीओपी उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रदर्शन, विभिन्न प्रदर्शनियों का आयोजन तथा उद्यमियों को प्रशिक्षण एवं ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स से जोड़ने जैसे कदम उठाए गए हैं, जिससे स्थानीय उत्पादों को नई पहचान और व्यापक बाजार उपलब्ध हो रहा है।

जयपुर वेस्ट पुलिस का शिकंजा: स्थाई वारंटियों पर दो दिन का बड़ा अभियान

-करधनी-झोटवाड़ा-चौमू में बड़ी कार्रवाई, BNS धारा 170 में 193 अपराधी गिरफ्तारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर वेस्ट पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लेते हुए दो दिवसीय विशेष अभियान चलाया... "ऑपरेशन वज्र" के तहत स्थाई वारंटियों और वांछित अपराधियों पर कड़ा शिकंजा कसा गया। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर डीसीपी वेस्ट प्रशांत किरण के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में 172 वांछित अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया गया। इतना ही नहीं... 193 अपराधी अलग-अलग प्रकरणों में BNS की धारा 170 के तहत भी गिरफ्तारी की गई। पुलिस ने NDPS एक्ट, आर्म्स एक्ट, धोखाधड़ी समेत कई गंभीर अपराधों में लिप्त आरोपियों पर कार्रवाई की। इस पूरे अभियान में करधनी, झोटवाड़ा और चौमू थाना पुलिस की अहम भूमिका रही... जयपुर पुलिस आयुक्तालय के निर्देश पर चलाए गए इस ऑपरेशन से अपराधियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस का कहना है कि आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे। ताकि शहर में कानून व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

वन्दे मातरम् पर सजी देशभक्ति की अभिव्यक्ति

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्य सरकार के निर्देशानुसार राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के जयपुर स्थित मुख्यालय में 23 मार्च से 30 मार्च तक वन्दे मातरम्@150 (विशेष चरण) के अंतर्गत विविध प्रेरणादायी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस विशेष चरण में वन्दे मातरम् हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण रहे। निबंध प्रतियोगिता दो वर्गों—अधिकारी एवं कर्मचारी में आयोजित की गई। अधिकारी वर्ग में प्रहलाद कुमार मीणा ने प्रथम, अजीत सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कर्मचारी वर्ग में पूरणमल बुनकर एवं सुश्री अक्षिता सोनी ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। विशेष चरण के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे परिसर को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विभागाध्यक्ष श्रीमती हेम पुष्पा शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

सांभर में आंगनबाड़ी चलो अभियान प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह का हुआ आयोजन

-उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आंगनबाड़ी के नवीन बच्चों को पोर्टफोलियो किट और खेल सामग्री का किया वितरण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को बाल विकास परियोजना कार्यालय सांभर लेक जयपुर में आंगनबाड़ी चलो अभियान प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं द्वारा दरबार सीनियर सेकेंडरी स्कूल सांभर में आयोजित प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह में आंगनबाड़ी के नवीन बच्चों का स्वागत किया। उन्होंने आंगनबाड़ी के बच्चों को पोर्टफोलियो किट (बच्चों के लिए रंग, वॉटर बोतल, खिलौने) आदि प्रदान किये। आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोर्टफोलियों खेल सामग्री का वितरण इस उद्देश्य से किया जाता कि बच्चें खेल खेल में सीखे।बच्चों को आंगनबाड़ियों में स्वस्थ सुरक्षित एवं सीखने का माहौल मिल सके। समारोह में सांभर उपखण्ड अधिकारी ऋषि राज कपिल, उपनिदेशक आईसीडीएस श्रीमती पार्थवी शर्मा, उपनिदेशक महिला अधिकारिता राजेश डोगीवाल, कार्यक्रम प्रभारी आरपीएस सपना मौर्य तथा सीडीपीओ प्रिया कुमावत एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री ने एक बच्चे के जन्मदिन एवं आंगनबाड़ी में प्रवेश उत्सव पर केक काट कर स्टॉल का अवलोकन किया, जिसमें भामाशाहों से प्राप्त सामग्री एवं खिलौने आदि का वितरण किया गया। स्टॉल में विभिन्न आयामों पर आधारित कॉर्नर्स बनाए गए जिसमें आसपास के वातावरण में उपलब्ध सामग्री से निर्मित सहायक शिक्षण सामग्री तैयार कर प्रदर्शित की गई व बताया गया कि बच्चों को खेल खेल के माध्यम से स्कूल शिक्षा

के लिए तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम में 6 वर्ष पूर्ण करने वाले बच्चों को समग्र प्रमाण पत्र (ईसीसीई—सर्टिफिकेट) दिए गए। साथ ही कार्यक्रम में उन भामाशाहों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र एवं विद्यालय में सहयोग प्रदान किया। भामाशाह द्वारा प्रदान सांभर परियोजना के 3 से 6 वर्ष के पंजीकृत 1 हजार 600 बच्चों के लिए पोर्टफोलियो किट, पानी की बोतल, खिलौने इत्यादि वितरित किए गए। आंगनबाड़ी केंद्र पर पंजीकृत बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपने बाल मनोभाव से देशभक्ति के गानो पर नृत्य प्रस्तुति दी। उपमुख्यमंत्री ने विद्यालय में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का अवलोकन किया। अधिकारियों द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों को खेल-खेल में प्रदान की जा रही है शालापूर्व शिक्षा के बारे जानकारी दी गई। दिया कुमारी ने बच्चों क लिए आंगनबाड़ी केंद्र पर तैयार किया जा रहे हैं गर्म पोषाहार के बारे में भी जाना।

जल मंदिर का उद्घाटन:-

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने एनईपी (होलीस्टिक कार्ड) समग्र प्रमाण पत्र का वितरण किया। उन्होंने वार्ड संख्या 3 सांभर की आंगनबाड़ी का निरीक्षण कर बच्चों से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने आंगनबाड़ी एवं स्कूली बच्चों के लिए भामाशाह द्वारा निर्मित जल मंदिर का उद्घाटन किया। उल्लेखनीय है कि भामाशाह द्वारा इस क्षेत्र की आंगनबाड़ियों के लिए 1 हजार 600 से आंगनबाड़ी पोर्टफोलियो किट और खिलौने सामग्री दी गई है। नागरिक विकास समिति के अध्यक्ष भामाशाह अनिल गट्टानी द्वारा सांभर नगरपालिका की समस्त आंगनबाड़ियों को गोद लेने के लिए भी घोषणा की गई।

जयपुर में मिलावटी पनीर पर बड़ी कार्रवाई, 634 किलो पनीर नष्ट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जवाहर नगर थाना पुलिस ने मिलावटी पनीर की सप्लाई को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बार फिर सप्लायरों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। खाद्य निरीक्षक और सीएमएचओ प्रथम की टीम को मौके पर बुलाकर सैंपलिंग करवाई गई, जिसमें प्राथमिक जांच में पनीर में मिलावट की पुष्टि हुई। इसके बाद करीब 634 किलोग्राम मिलावटी पनीर को नष्ट करवा दिया गया। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा (IPS) ने बताया कि त्योहार और शादी सीजन को देखते हुए शहर में मिलावटी खाद्य पदार्थों की सप्लाई की सूचना मिल रही थी। इसी के तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल के सुपरविजन और एसीपी आदर्शनगर लक्ष्मी सुथार के नेतृत्व में थानाधिकारी महेश चंद्र को कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। 28 मार्च 2026 को गश्त के दौरान पुलिस को जवाहर नगर बाईपास स्थित कच्ची बस्ती में राधे डेयरी के पास एक पिकअप (RJ14 GL 0796) खड़ी मिली। उसमें से लाल कंटेनरों में भरा पनीर उतारा जा रहा था। जांच में छह कंटेनरों में पनीर पाया गया। मौके पर चालक इमरान

(28) निवासी बड़ौदामेव, अलवर को डिटेन कर पूछताछ की गई। पूछताछ में सामने आया कि पनीर गर्ग डेयरी, बड़ौदा मेव से लाकर राधे डेयरी के संचालक रणवीर शर्मा को सप्लाई किया जा रहा था, जिसे बाजार और शादियों में खपाने की योजना थी। मौके पर खाद्य निरीक्षक विशाल मित्तल को बुलाकर सैंपलिंग करवाई गई। जांच में मिलावट की पुष्टि होने पर एफएसएस एक्ट 2006 के तहत कार्रवाई करते हुए पनीर को ईदगाह गलतागेट नाले में डलवाकर नष्ट किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि यह पनीर वाहन मालिक महावीर महाजन के साथ मिलकर लाया गया था और इसे शादियों में सप्लाई के लिए मंगवाया गया था। इससे पहले भी 3 मार्च 2026 को इसी राधे डेयरी से करीब 250 किलो मिलावटी पनीर पकड़ा गया था, जिसे जांच के बाद नष्ट कर दिया गया था। वहीं 22 मार्च 2026 को क्वालिटी पनीर सेंटर, शांति पथ पर कार्रवाई करते हुए 870 किलो पनीर, 300 किलो घी और 50 किलो अन्य सामग्री बरामद की गई थी, जिनकी भी सैंपलिंग कर जांच करवाई गई थी।

सीजीडी संस्थाएं प्रतिदिन औसतन ढाई से तीन हजार परिवारों को डीपीएनजी सुविधाओं से जोड़ें – मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य में कार्यरत सिटी गैस डिस्ट्रिब्यूशन संस्थाओं को प्रतिदिन औसतन ढाई हजार से तीन हजार परिवारों तक पाइपलाइन के माध्यम से घरेलू गैस (डीपीएनजी) कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में डीपीएनजी की आधारभूत संरचना विकसित हो चुकी है, वहां के परिवारों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ना केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास मंगलवार को सचिवालय में राज्य में कार्यरत 13 सीजीडी संस्थाओं के शीर्ष स्तर के अधिकारियों एवं स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ डीपीएनजी संरचना की स्थिति तथा डीपीएनजी सुविधा से जोड़ने की कार्ययोजना पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने वर्चुअल बैठक में स्पष्ट किया कि जिन क्षेत्रों में डीपीएनजी की आधारभूत संरचना विकसित हो गई है, वहां क्षेत्रवासियों को एलपीजी से पाइपलाइन गैस सुविधा से जोड़ना केंद्र सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं। साथ ही इन क्षेत्रों की औद्योगिक एवं व्यावसायिक इकाइयों को भी पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस कनेक्शन से जोड़ा जाना है। वी. श्रीनिवास ने

जिला कलक्टरों को निर्देश दिए कि जनजागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को एलपीजी से डीपीएनजी सुविधाओं से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि डीपीएनजी की सस्ती दर, 24×7 सेवा उपलब्धता, बुकिंग की झंझट से मुक्ति, सुरक्षित, स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा जैसे लाभों के बारे में व्यापक जानकारी दी जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग डीपीएनजी सेवाओं से जुड़ सकें। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा ने बताया कि विभाग द्वारा राज्य के 17 भौगोलिक क्षेत्रों में कार्यरत 13 सीजीडी संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि सीजीडी संस्थाओं को तीन माह में पीएनजी कनेक्शनों की संख्या एक लाख 25 हजार से बढ़ाकर 5 लाख करने का लक्ष्य दिया गया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव अम्बरीश कुमार ने बताया कि राज्य में पेट्रोलियम उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता है तथा राज्य सरकार स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा की जा रही है। बैठक में राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने डीपीएनजी कनेक्शनों की वर्तमान स्थिति एवं भावी कार्यक्रम की जानकारी दी। बैठक में संयुक्त सचिव माइंस अरविन्द सारस्वत, निदेशक पेट्रोलियम अवधेश सिंह सहित राज्य सरकार के अधिकारी एवं सीजीडी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रिजर्व पुलिस लाईन चांदपोल जयपुर में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) राजेश कॉवट ने बताया कि पुलिस आयुक्तालय की रिजर्व पुलिस लाईन चांदपोल जयुपर में दिनांक 27.03.2026 को 10 एएम से 4 पीएम तक जेएनयू सुपर हॉस्पिटल जगतपुरा एवं दिनांक 30.03.2026 को 08.30 एएम से 2 पीएम तक दाना शिवम हार्ट एवं सुपर स्पेशिलिस्टी हॉस्पिटल, विद्याधर नगर की तरफ से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर में जेएनयू सुपर हॉस्पिटल जगतपुरा के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम सुन्दर के निर्देशन में एण्डोक्राइनोलॉजिस्ट एवं डायबिटोलॉजिस्ट, मूत्र, गुर्दा, व पथरी रोग, हड्डी व जोड प्रत्यारोपन फिजिशियन, शल्य चिकित्सक, ईएनटी, नेत्र, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों ने अपनी सराहनीय सेवाएं दी। चिकित्सा शिविर में पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने विजिट कर सभी पुलिसकर्मियों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया। इसी प्रकार दिनांक 30.03.2026 को दाना शिवम हार्ट एंड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल विद्याधर नगर जयपुर के निदेशक व वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील कुमार गर्सा व उनकी टीम के द्वारा हृदय, मस्तिष्क, अस्थि, ईएनटी,

जनरल फिजिशियन के निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कर परामर्श व सभी प्रकार की खून की जांच निःशुल्क की गई। चिकित्सा शिविर में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था डॉ. राजीव पचार ने स्वास्थ्य जांच करवाकर बताया कि जवानों के द्वारा 24 *7 ड्यूटी की जाती है। अतः हमारा दायित्व है कि समय-समय पर इनका स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। ऐसे स्वास्थ्य शिविर समय-समय पर आयोजित किए जाएंगे। सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शिविर में उत्साह पूर्वक लाभ प्राप्त किया। समस्त अधिकारीगण/कर्मचारीगणों की ईसीजी, डेंटल चेकअप, ऑखों की जॉच, ब्लड प्रेशर एवं शुगर की निःशुल्क जॉच की जाकर हाथों-हाथ परामर्श दिया गया। स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पार्थ शर्मा, लखन मीणा एवं पुलिस निरीक्षक श्रीमति सपना पुनिया ने सफलतापूर्वक करवाया।

तोसिफ-उ-रहमान नियाज़ी को "अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप प्रोग्राम ऑन नॉन वायलेंस एंड पीस" से सम्मानित किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । शांति समिती सदस्य जयपुर के तोसिफ-उर-रहमान नियाज़ी को "अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप प्रोग्राम ऑन नॉन वायलेंस एंड पीस (IFPFP)" के प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया । यह कार्यक्रम सेवाग्राम आश्रम प्रतिष्ठान (भारत), गांधी इंटरनेशनल (फ्रांस), डरबन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (दक्षिण अफ्रीका), पोर्टलैंड कम्युनिटी कॉलेज (अमेरिका), एकेडमिक यूनिवर्सिटी कॉलेज फॉर नॉन वायलेंस एंड ह्मन राइट्स (लेबनान) और अन्य

संस्थाओं के सहयोग से आयोजित हुआ। चार माह का ऑनलाइन कार्यक्रम 02 अक्टूबर 2025 से 30 जनवरी 2026 तक जिसमें गैर-हिंसा और शांति के सिद्धांतों पर गहन अध्ययन किया गया। तोसिफ-उर-रहमान को विश्व शांति एवं अहिंसा के लिए समर्पित जीवन के लिए फेलोशिप प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया, जिसे लुईस कैंपाना, (फ्रांस) डोरकास इटांग (दक्षिण अफ्रीका), माईकल सोनलाइट्नर (अमेरिका), औरागित यौनान, (लेबनान) आशा बोथरा (सेवाग्राम, भारत) ने हस्ताक्षरित किया। यह उपलब्धि राजस्थान में अहिंसा एवं शांति के प्रचार में काफ़ी महत्व रखती है इस उपलब्धि पर गांधीवादी विचारधारा एवं मित्रों ने उनको बधाई दी है।

जयपुर पुलिस आयुक्त ने बस्सी थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों को दी राहत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने शनिवार को बस्सी थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश भी दिए। इस दौरान विशेष पुलिस आयुक्त ऑपरेशंस ओम प्रकाश, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) अजय सिंह, पुलिस उपायुक्त पूर्व श्रीमति रंजिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पूर्व आलोक सिंघल एवं सहायक पुलिस आयुक्त बस्सी विनय कुमार(आईपीएस) व संबंधित एसएचओ और थाने के अधिकारीगण उपस्थित रहे। सचिन मित्तल ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान कई परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि आमजन को राहत देने के लिए थाना स्तर में प्रतिदिन जनसुनवाई की जा रही है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र में आपसी मुकदमें, पारिवारिक विवाद, जमीनी विवाद, मकानों पर कब्जे, अवैध कब्जे, चोरी, मारपीट सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई। उन्होंने सभी शिकायतों की जांच कर कम से कम समय में निश्चित समयावधि में निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबधित अधिकारियों को परिवादियों की समस्याओं का तुरंत रिस्पॉन्स देने और निस्तारण करने के भी निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान बस्सी सर्किल के बस्सी, कानोता एवं तूंगा पुलिस थाना क्षेत्र के परिवादियों ने अपनी समस्याएं पुलिस आयुक्त को बताकर समाधान पाया। जनसुनवाई की खास बात यह रही कि परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया जाता है।

आवश्यक नम्बर — रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/ 108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग व कालाबाजारी पर जिला रसद अधिकारी का बड़ा एक्शन

- 118 सिलेंडर सहित वाहन व उपकरण जब्त, 3 सतर्कता दलों की संयुक्त कार्रवाई

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव एवं खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर शहर में घरेलू एवं व्यावसायिक एलपीजी गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता एवं निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अवैध रिफिलिंग, भण्डारण एवं कालाबाजारी के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया जा रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण द्वारा 03 विशेष प्रवर्तन दलों का गठन कर शहर में सघन निरीक्षण एवं कार्रवाई की गई। इन दलों में प्रवर्तन अधिकारियों एवं निरीक्षकों को शामिल करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ दबिश देकर अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया गया। कार्रवाइयों के दौरान कुल 118 घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर, 03 इलेक्ट्रॉनिक कांटे, 02 उपकरण, 03 रिफिलिंग मोटर, 01 रेगुलेटर एवं 01 पिकअप वाहन जब्त किए गए हैं। अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध संबंधित पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज करवाने की कार्रवाई प्रचलित है। उल्लेखनीय है कि जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम द्वारा जयपुर शहर में कार्यवाही हेतु तीन विशेष प्रवर्तन दलों

का गठन किया गया। दल 'ए" में सुश्री कविता शर्मा प्रवर्तन अधिकारी व श्रीमती सुनिता चौधरी प्रवर्तन निरीक्षक विशेष प्रवर्तन दल "बी" में श्रीमती पूजा शर्मा प्रवर्तन अधिकारी व श्रीमती विजयलक्ष्मी शर्मा प्रवर्तन अधिकारी एवं विशेष प्रवर्तन दल "सी" में श्रीमती निर्मला चौधरी प्रवर्तन अधिकारी व श्रीमती प्रिया गंगवानी प्रवर्तन निरीक्षक द्वारा जांच की गई। पुलिस थाना खो-नागोरियान क्षेत्र में नारायण सिटी, जेएनयू हॉस्पिटल के पास संयुक्त कार्रवाई के दौरान अवैध रिफिलिंग की पुष्टि होने पर 74 घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर, 01 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 03 रिफिलिंग मोटर तथा 01 पिकअप वाहन जब्त किया गया। इसी प्रकार आगरा रोड स्थित गौरव बर्तन भंडार एवं जग्गा की ढाणी में दबिश के दौरान 22 गैस सिलेंडर एवं एक उपकरण जब्त किए गए। भांकरोटा क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान 08 गैस सिलेंडर, 01 कांटा एवं एक उपकरण जब्त किया गया, वहीं बिन्दायका क्षेत्र में की गई कार्रवाई में 14 गैस सिलेंडर, 01 कांटा तथा 01 रेगुलेटर रबर पाइप सहित जब्त किया गया। उल्लेखनीय है कि जयपुर शहर में अवैध गैस रिफिलिंग एवं कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु जिला प्रशासन द्वारा संचालित 'ऑपरेशन प्रवर्तन – सतर्क नागरिक, सुरक्षित शहर' अभियान लगातार जारी है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गैस रिफिलिंग, भण्डारण अथवा कालाबाजारी से संबंधित सूचना तत्काल विभाग को दें, ताकि समय रहते कठोर कार्रवाई कर आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कोलिया गांव के पास दर्दनाक हादसा

-सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौके पर मौत

मोहम्मद अली पठान

लाडनूं/डीडवाना (रॉयल पत्रिका)। सोमवार को डीडवाना क्षेत्र हाईवे पर कोलिया गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौके पर मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। कोलिया गांव के निकट शाम एक स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे में कार सवार पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना प्रभारी राजेन्द्र सिंह कमांडो ने बताया कि खुनखुना गांव निवासी अजीज खान अपनी पत्नी नाजरीन और बेटे साहिल के साथ कार में सवार थे। अचानक कार अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि अजीज खान और नाजरीन की मौके पर ही मौत हो गई। उनका बेटा साहिल गंभीर घायल अवस्था में है, जिसे तुरंत राजकीय बांगड़ जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। दोनों शवों को कब्जे में लेकर राजकीय बांगड़ जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार या चालक की लापरवाही हादसे का कारण हो सकती है।

श्रीगंगानगर के घमुड़वाली में उबाल, सीआई हटाने की मांग तेज, आंदोलन का ऐलान

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। श्रीगंगानगर जिले के घमुड़वाली थाना क्षेत्र में जनाक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। थाना प्रभारी सीआई राजेन्द्र सिंह को तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग को लेकर सर्वसमाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें बड़े आंदोलन का ऐलान कर दिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 6 अप्रैल को बींझबायला बाजार पूर्ण रूप से बंद रखा जाएगा, जबकि 10 अप्रैल को घमुड़वाली थाने का घेराव किया जाएगा। इस आंदोलन को संयुक्त व्यापार मंडल ने भी समर्थन दे दिया है, जिससे पूरे क्षेत्र में आंदोलन और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

आरोपों की लंबी सूची, कार्रवाई नहीं होने से नाराजगी:

बैठक में मौजूद लोगों ने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी द्वारा परिवादियों के साथ अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया जाता है। साथ ही, उन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे जनता में भारी नाराजगी है।

नशे के अवैध कारोबार पर भी उठे सवाल:

स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि राजेन्द्र सिंह के पदभार संभालने के बाद क्षेत्र में गली-गली और चौराहों पर नशे का अवैध कारोबार तेजी से बढ़ा है। आरोप है कि इस पर रोक लगाने के लिए पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही, जिससे हालात और बिगड़ते जा रहे हैं।

आंदोलन की रणनीति तैयार:

बैठक में आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से तेज करने की रणनीति बनाई गई है। व्यापारियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की भागीदारी से यह आंदोलन व्यापक रूप लेता नजर आ रहा है।

चेतावनी: मांगें नहीं मानी गईं तो उग्र होगा आंदोलन:

सर्वसमाज ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज और व्यापक किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। फिलहाल घमुड़वाली क्षेत्र में माहौल गरमाया हुआ है और आने वाले दिनों में यह आंदोलन बड़ा रूप ले सकता है। इस मौके पर कॉमरेड रविंद्र तरखान, अशोक जाखड़, दिनेश पूनिया, अनिरुद्ध जाखड़, सतपाल तरड़, सयुक्त व्यापार मंडल अध्यक्ष मेनाराम गोदारा, रणवीर गोदारा, रूपराम नोखवाल, भागीरथ गोदारा, श्रवण सिंह समरा, सुखवीर सिंह फ़ौजी, अमित मायल, रेशम सिंह, टीकूराम खिलेरी, कालूराम, कैलाश पूनिया, गौतम गौड़, अजय सरबटा, सोहन महिया सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

पटवारी होशियार सिंह निलंबित, विभागीय जांच शुरू

झुंझुनूं। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने तहसील झुंझुनूं के नयासर पटवार मंडल में कार्यरत पटवारी होशियार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के तहत की गई है। आदेश के अनुसार, पटवारी होशियार सिंह के विरुद्ध नियम 16 सीसीए के तहत विभागीय जांच संस्थित की गई है। जांच लंबित रहने के दौरान उन्हें नियम 13(1) के प्रावधानों के अंतर्गत निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार निर्वाह भत्ता देय होगा, जो अवकाश वेतन के समकक्ष रहेगा। साथ ही, इस अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय सूरजगढ़ निर्धारित किया गया है। कलेक्टर कार्यालय द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि आरोप पत्र एवं आरोप विवरण शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किए जाएं, ताकि जांच प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके।

किड्स पैराडाइज स्कूल में टॉपर्स को स्कूल द्वारा स्कूटी भेंट की स्कूल का 10 वीं, 12वीं का रिजल्ट 100% रहा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर किड्स पैराडाइज शिक्षण संस्थान द्वारा मदीना मुसाफिरखाना में प्रतिभाओं का अभिनंदन किया गया। निदेशक मोहम्मद इशहाक खान ने बताया कि बोर्ड कक्षाओं की टोपर प्रतिभाओं को स्कूटी प्रदान कर सम्मान किया गया। कक्षा दस में टॉपर रही भूमिका पुत्री कन्हैया लाल, आईना चौहान पुत्री जावेद चौहान तथा रुखसार पुत्री असलम खान, को विद्यालय द्वारा स्कूटी प्रदान की गई। समारोह की अध्यक्षता रमजान खान ने की। अतिथि पूर्व पार्षद ताजू खान, नवाब खान, शिक्षाविद उस्मान

गनी खान दिलावर खानी, इकबाल खान, दुर्गा राम, मुमताज खान, सुलेमान खान आदि उपस्थित रहे। कक्षा 5, 8,10 व 12वीं बोर्ड की अन्य टोपर प्रतिभाओं को सोने व चांदी के मेडल भी प्रदान किए गए। जिसमें मोमेंटो के साथ-साथ सिल्वर एवं गोल्ड कॉइन मैडल देकर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। स्कूल छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। स्कूल डायरेक्टर ईशाहाक खान ने कहां आज का परिणाम हमारी मेहनत का प्रतिबिंब है सफल होने वाले बच्चों को बधाई लेकिन जो पीछे रह गए वह निराश ना हो याद रखें एक मार्कशीट और मोमेंटो ही आपका भविष्य तय नहीं करता असली विजेता वही है जो गलतियो से सीख कर फिर से खड़ा हो कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास ही सफलता की असली कुंजी है निरंतर प्रयास करते रहे जीत आपकी होगी और सभी के उज्वल भविष्य की कामना करता हूं। आए हुए अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं व स्कूल स्टाफ का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन स्कूल शिक्षाका ने किया।

फराज अहमद को मिली बड़ी जिम्मेदारी

शफीक अली

दौसा (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद जनाब इमरान प्रतापगढ़ी ने फराज अहमद को असम विधानसभा चुनाव में जलेश्वर विधानसभा क्षेत्र का पर्यवेक्षक (Observer) नियुक्त किया है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए फराज अहमद ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष जनाब एम.डी. चोपदार का आभार व्यक्त किया है। फराज अहमद ने कहा कि वे इस जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे और संगठन की मजबूती और चुनावी जीत सुनिश्चित करने के लिए तत्पर रहेंगे। वे वर्तमान में दौसा जिले के अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष हैं।

आर्मी स्कूल के टॉपर का किया जगह-जगह पर स्वागत

इकबाल शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। बनेड़ा पुराना बस स्टैंड स्थित सत्यनारायण भगवान के प्रांगण में कमालपुरा पूर्व सरपंच भेरू सिंह राणावत द्वारा आर्मी स्कूल के छात्र-छात्रोंओ को माला व भगवा दुपट्टा पहना कर जबरदस्त स्वागत किया गया इसी दौरान आर्मी पब्लिक सेकेंडरी स्कूल, बनेड़ा द्वारा कक्षा 10 के विद्यार्थियों के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम (सत्र 2025–26) के उपलक्ष्य में आयोजित "टॉपर's प्राइड रैली" बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुई। रैली का शुभारंभ प्रातः आर्मी स्कूल से हुआ, जो पूरे जोश और अनुशासन के साथ बनेड़ा तक रेली निकाली गई। विद्यार्थियों ने पूरे मार्ग में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन का संदेश देते हुए अन्य छात्रों को

प्रेरित किया। ओर छात्र छात्राओं को जगह जगह पर मनोबल बढ़ाने के लिए ग्रामीणों ने माला व मिठाई खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। यह रैली केवल सफलता का उत्सव नहीं, बल्कि मेहनत, लगन और लक्ष्य प्राप्ति का प्रेरणादायक उदाहरण भी रही। रैली के दौरान ग्रामवासियों एवं गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विद्यालय परिवार का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर कमांलपुरा,पूर्व सरपंच, भेरू सिंह राणावत, बनेड़ा पूर्व सरपंच संपत माली, उप सरपंच देवी लाल माली, नारायण लाल आचार्य, महेश प्रजापत, बबलू न्याती एवं मुरली मनोहर व्यास, द्वारा विशेष रूप से स्वागत किया गया। विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मंसूरी ब्रदर्स का 12 वां नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मलेन, 14 जोड़े का सम्पन्न हुआ

इक़बाल शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक सरोकार के तहत नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न करने वाले मंसूरी ब्रदर्स ने 12 वां नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मलेन गुल अली बाबा के यहां पर सम्पन्न करवाया। हाजी इमामुद्दीन मंसूरी ने बताया कि नगर परिषद के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अब्दुल सलाम मंसूरी कि अध्यक्षता में सम्मेलन संपन हुआ। नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मलेन मे सभी जोड़ो को मस्जिद के इमामो ने सुबह 8 बजे निकाह पढ़ाया। सामूहिक विवाह सम्मलेन के आयोजन कर्ता हाजी मोहम्मद उमर मंसूरी ने सामूहिक विवाह सम्मलेन आयोजित कर अब तक 312 दूल्हा दुल्हन का निकाह करवा चुके हैं कनवीनर अब्दुल रशीद पठान ने बताया कि हर वधु को 15 हजार रूपए नगद दिए मंच पर दूल्हा दुल्हन के पिता को साफा बंधवाकर रुखसती दी आयोजन में हाजी अहमद चाँदेंड, सकिल गौरी, हाजी अहमद गौरी, हाजी आरिफ मंसूरी, शौकत मंसूरी, समीर निर्बान, अली मंसूरी व मुस्लिम समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। शोहरब मंसूरी ने बताया की मंसूरी ब्रदर्स अगला 13 वां नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मलेन 24 मई 2026 इतवार को रखा गया है।

हजरत ख्वाजा नजमुद्दीन सुलेमानी निजामी फतेहपुरी का 160 वां उर्स मुबारक झंडे की रस्म के साथ शुरू

फतेहपुर (रॉयल पत्रिका)। दरगाह फतेहपुर में उर्स-ए-आफ़ताब-ए-शेखावाटी, शहंशाह-ए-विलायत, नज्मुल औलिया, सिराजुल अस्फ़िया हज़रत ख्वाजा हाजी मुहम्मद नजमुद्दीन साहिब सुलेमानी फख़री निज़ामी चिश्ती अलफारूकी (रज़ि.) के 160वें उर्स मुबारक के सिलसिले में खानकाह शरीफ़, फतेहपुर शेखावाटी में तैयारियां ज़ोरों-शोरों से चल रही हैं। 1 अप्रैल से शुरू हो गया इस मुबारक उर्स का कार्यक्रम: 1 अप्रैल रस्म-ए-अलम — बाद नमाज़-ए-मग़रिब, 5 अप्रैल (रविवार) नज्मुल औलिया कॉन्फ्रेंस, महफ़िल-ए-नात व मनक़बत बाद नमाज़-ए-इशा, 7 अप्रैल (मंगलवार) जुलूस-ए-कदीमी शाही चादर बाद नमाज़-ए-जुहर मोहल्ला चेजारान से दरगाह शरीफ़ तक 8 अप्रैल (बुधवार) कुल शरीफ दोपहर

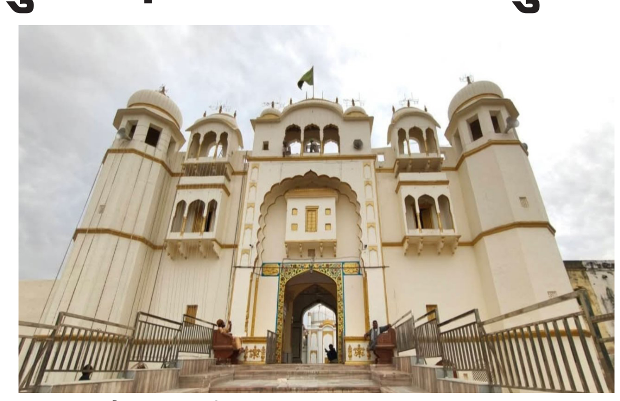

1 बजे दौरान-ए-उर्स रोज़ाना की तक़रीबात: कुरआन ख्वानी, बाद नमाज़-ए-फज्र — ख़त्म-ए-ख़्वाजगाने चिश्त (सुबह 7 बजे) महफ़िल-ए-सीमा—बाद नमाज़-ए-जुहर से मग़रिब तक महफ़िल-ए-मिलाद — बाद नमाज़-ए-इशा महफ़िल-ए-समा — रात 11 बजे से सुबह 4:30 बजे तक इहतिमाम-ए-लंगर — सुबह व शाम उर्स के दौरान दूर-दराज़ से आने वाले तमाम अकीदत मंद दरगाह शरीफ़ पर हाज़िरी देकर फ़ुयूज़ व बरकात हासिल करेंगे। सज्जादा नशीन व मुतवल्ली: शहजादा ए हुज़ूर फारूक-ए-आज़म, पीर-ए-तरीक़त, सिराजुल हिदायत, हज़रत, नसीर-ए-मिल्लत पीर गुलाम नसीर नज्मी सुलेमानी फख़री निज़ामी चिश्ती अलफारूकी की सरपरस्ती में सभी कार्यक्रम सम्पन्न होंगे।

एसडीएम ने गेहूं एवं चना खरीद केन्द्रों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

बारां । उपखण्ड अधिकारी विश्वजीत सिंह व उप रजिस्ट्रार राजेन्द्र कुमार चौहला ने सोमवार को भारतीय खाद्य निगम का विजिट कर बारदाना स्टॉक का निरीक्षण किया तथा गेहूं में एफएक्यू मापदण्डों का सेम्पल करवाकर मौके पर देखा। भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधक आरसी मीना के अनुसार बारदाने की कोई कमी नहीं है। आवंटन अनुसार गेहूं खरीद केंद्रों को बारदाना उपलब्ध करवाया जाएगा। प्रबंधक आरसी मीना ने मौके पर ही गेहूं की सैम्पलिंग करवाई। उन्होंने बताया कि कुछ क्रय केन्द्रों से एफएक्यू मापदण्डों के अनुरूप गेहूं क्रय नहीं किया जा रहा है। जमा हेतु गेहूं एफसीआई गोदाम आ रहा है उसमें सलाइटली डेमेज ग्रेन तथा डेमेज ग्रेन क्रमशः 4 प्रतिशत तथा 2 प्रतिशत से अधिक आ रहे हैं इसमें शिथिलता के लिए विभाग को पत्र लिखा गया है। प्रबन्धक मीणा ने अवगत करवाया कि खरीद केन्द्रों को आवंटित बारदाने का 80 प्रतिशत बारदाना पुनः एफ. से. आई में जमा होने पर ही नया बारदाना उपलब्ध करवाया जाएगा। इसी

दौरान उपखण्ड अधिकारी एवं उप रजिस्ट्रार ने कृषि उपज मंडी में गेहूं एवं चना खरीद केन्द्रों का निरीक्षण किया। गेहूं तथा चना खरीद के कुछ बैग मौके पर ही तुलवाकर देखे। उपखण्ड अधिकारी सिंह ने मंडी में छाया पानी की व्यवस्थाएं भी देखी तथा समर्थन मूल्य पर जीन्स बेचान करने आए किसानों से बातचीत की। खरीद केन्द्र प्रभारियों को किसानों को किसी प्रकार की समस्या नहीं हो यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए किया सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। महेन्द्र सिंह बड़सरा के सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों एवं शिक्षक संगठनों से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान रघुवीर स्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर संयुक्त निदेशक (चूरू) संगीता मानवी, संयुक्त निदेशक कार्यालय निदेशालय बीकानेर की अनुसूईया, डाइट प्राचार्य सुमित्रा झाझड़िया, शिक्षक संघ शेखावत के प्रदेश महामंत्री उपेन्द्र शर्मा एवं उपाध्यक्ष भंवरलाल कस्वां, राष्ट्रीय शिक्षक संघ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण कुमार सैनी एवं जिलाध्यक्ष शिव कुमार शर्मा उपस्थित रहे। इसके साथ ही अम्बेडकर शिक्षक संघ के प्रदेश संरक्षक व सलाहकार शिशराम माहिच, अजाक के जिलाध्यक्ष राजकुमार चिडदिया, प्रदेश सदस्य हंसराज, राजस्थान राज्य संयुक्त महासंघ के जिलाध्यक्ष रिछपाल सिंह चारण एवं जिलामंत्री फूलसिंह बूरडक, बड़सरा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरजीत सिंह, रेसला शिक्षक संघ के अमित सहारण व सुरेन्द्र शर्मा, शेखावाटी मिशन 100 के प्रतिनिधि रामावतार भादाला के नेतृत्व में टीम, लोकतांत्रिक महासंघ के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र गोदारा भी मौजूद रहे। साथ ही

सियाराम शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री उम्मेद डूडी, राजकुमार मूंड, रेसटा शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विजेन्द्र, समाजसेवी शुभकरण जानू, प्रदेश मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र धायल तथा जिले के रेसा शिक्षक संघ परिवार की ओर से धर्मेन्द्र मूंड, विजय कुमार धीनवाल, कुलदीप राव एवं रेसापी शिक्षक संघ परिवार से जितेन्द्र बुडानिया व परमेन्द्र कुल्हार सहित अनेक प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। सभा में उपस्थित सभी अतिथियों ने महेन्द्र सिंह बड़सरा को राजकीय सेवाकाल में कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का वातावरण सम्मान, सौहार्द एवं प्रेरणा से परिपूर्ण रहा।

घड़साना की रचना तावनिया ने 12वीं बोर्ड में 94% अंक प्राप्त कर बढ़ाया क्षेत्र का मान

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/ नई मंडी घड़साना (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (RBSE) की 12वीं कक्षा के घोषित परीक्षा परिणाम में श्री राम पब्लिक स्कूल, नई मंडी घड़साना की छात्रा रचना तावनिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने प्रथम श्रेणी हासिल कर अपने विद्यालय, परिवार एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। रचना तावनिया के पिता डॉ. बृजलाल शर्मा हैं, जिन्होंने बेटी की इस सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार में भी इस सफलता को लेकर हर्ष का माहौल है। रचना की इस उपलब्धि पर परिजनों, शिक्षकों एवं क्षेत्रवासियों ने बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बासड़ी जोगियान की बेटी प्रियांशी शर्मा ने 12वीं में कला संकाय में 97.40% अंक किए हासिल

रेनवाल मांजी (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत पहाड़ियां के ग्राम बासड़ी जोगियान क्षेत्र का नाम एक बार फिर रोशन हुआ है। प्रियांशी शर्मा, पुत्री रामप्रकाश शर्मा, ने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 12वीं कला संकाय विषय में शानदार 97.40% अंक प्राप्त कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रियांशी की इस सफलता से परिवार ही नहीं, पूरे गांव और क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। राज राजेश्वरी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लाखना की छात्रा हैं, जहां

उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन पर माता-पिता शिक्षकों और साथियों ने गर्व जताया। मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के दम पर प्रियांशी ने यह मुकाम हासिल किया है, जो अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा बनी है।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

भाजपा कुंडेरा मंडल का प्रशिक्षण शिविर संपन्न

-बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता हुए प्रशिक्षित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा कुंडेरा मंडल का दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग 29-30 मार्च को ग्राम पढ़ाना में स्थित बालाजी के मंदिर में संपन्न हुआ। मंडल महामंत्री भगवान सैनी ने बताया कि दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ, वर्ग में सर्वप्रथम उदघाटन सत्र हुआ जिसमें मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर उपस्थित रहे, वही उनके साथ प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रेमप्रकाश शर्मा, पूर्व

जिलाध्यक्ष सुरेश जैन, जिला महामंत्री विनोद अटल, पूर्व जिला प्रमुख पृथ्वीराज मीणा, पूर्व प्रधान मीरा सैनी, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रमोहन शर्मा, जिला कार्यालय मंत्री मुकेश शर्मा, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मुरली गौतम, पूर्व मंडल अध्यक्ष नवल सैनी मंचासीन रहे। प्रशिक्षण वर्ग में दो दिन में सात सत्र आयोजित किए गए जिसमें अलग-अलग सत्र में अलग-अलग वक्ताओं ने अलग-अलग विषयों पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण वर्ग के समापन पर कार्यकर्ताओं ने सामूहिक भोज किया। इस दौरान मंडल महामंत्री हरिमोहन जाट, दिनेश शर्मा, आशाराम बैरवा, रामप्रसाद सैनी, कुंजबिहारी शर्मा, पवन मुद्गल आदि मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नवज्ञान सीनियर सेकेंडरी स्कूल का रिजल्ट सत प्रतिशत रहा

- छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर उस्मानाबाद कॉलोनी स्थित नवज्ञान ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल का परिणाम 10वीं 12वीं का सत प्रतिशत रहा। आज नर्सरी स्कूल से लेकर 12वीं तक के बच्चों को रिजल्ट दिया गया।

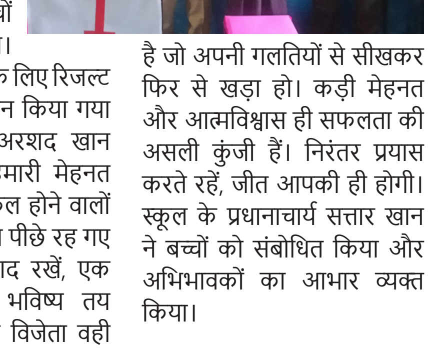

बच्चों के मोटिवेशन के लिए रिजल्ट देते वक्त फोटो सेशन किया गया जिसमें डायरेक्टर अरशद खान ने कहा परिणाम हमारी मेहनत का प्रतिबिंब है। सफल होने वालों को बधाई, लेकिन जो पीछे रह गए वे निराश न हों। याद रखें, एक मार्कशीट आपका भविष्य तय नहीं करती। असली विजेता वही है जो अपनी गलतियों से सीखकर फिर से खड़ा हो। कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास ही सफलता की असली कुंजी हैं। निरंतर प्रयास करते रहें, जीत आपकी ही होगी। स्कूल के प्रधानाचार्य सत्तार खान ने बच्चों को संबोधित किया और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

60 प्रतिशत चढ़ेगा एचडीएफसी बैंक का शेयर, एक्सपर्ट का भरोसा कायम

मुंबई, एजेंसी। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक के शेयरों में आज फिर से गिरावट देखने को मिली है। बैंक का शेयर करीब 2 प्रतिशत तक लुढ़क गया है। पिछले कई कारोबारी दिनों से एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के बाद भी बैंक के शेयरों के प्रदर्शन पर एक्सपर्ट्स का भरोसा कायम है। ब्रोकरेज हाउस जेफरिज को उम्मीद है कि इस बैंक के शेयरों का भाव आने वाले दिनों में 60 प्रतिशत तक चढ़ जाएगा। बता दें, इस साल अबतक एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 24 प्रतिशत की गिरावट आई है। ब्रोकरेज हाउस जेफरिज ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि एचडीएफसी बैंक का वैल्यूएशन 1.6 गुना है। आईसीआईसीआई बैंक की तुलना में बैंक का एडजस्टेड बुक वैल्यू 20 प्रतिशत के डिस्काउंट पर है। वहीं, एक्सिस बैंक से 10 प्रतिशत और कोटक महिंद्रा बैंक से 20 प्रतिशत कम है। प्राइस टू अर्निंग के आधार पर एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के बराबर है। वहीं, एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक की तुलना में यह से 10 और 15 प्रतिशत के प्रीमियम पर है। जेफरिज ने 1240 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। जोकि एचडीएफसी बैंक के मौजूदा प्राइस से 64 प्रतिशत अधिक है। बता दें, यह एक्सपर्ट नोट्स ऐसे समय में आया तब जेफरिज ने अपने पोर्टफोलियों में एचडीएफसी बैंक की जगह एचएसबीसी को जोड़ा है। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 22 प्रतिशत की गिरावट आई है। वहीं, एक साल में इस स्टॉक का भाव 19.03 प्रतिशत लुढ़क चुका है। जोकि सेंसेक्स इंडेक्स के 6.42 प्रतिशत के रिटर्न की तुलना में काफी अधिक है। बता दें, 10 साल में एचडीएफसी बैंक के शेयरों का भाव 178.10 प्रतिशत बढ़ा है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 185 प्रतिशत की तेजी आई है।

देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाने वाली कंपनी की हालात खस्ता

नईदिल्ली, एजेंसी। देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाने वाली कंपनी हुंडई मोटर्स की शेयर बाजार में

स्थिति अच्छी नहीं है। कंपनी के शेयरों में आज फिर से गिरावट देखने को मिली है। हुंडई मोटर्स के शेयरों में पिछले 7 में से 6 दिन गिरावट दर्ज की है। कंपनी के शेयर इश्यू प्राइस 1960 रुपये से भी नीचे आ गया है। बीएसई में कंपनी के शेयरों का भाव आज सोमवार को 1799.80 रुपये के लेवल पर खुला है। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के बाद 1736 रुपये के स्तर पर आ गया। मार्च के महीने में कंपनी के शेयरों का भाव 19 प्रतिशत लुढ़क चुका है। लिस्टिंग के बाद हुंडई मोटर्स का शेयर बाजार में यह सबसे खराब महीना अब तक साबित हुआ है। इस ऑटो कंपनी की लिस्टिंग अक्टूबर 2024 में हुई थी। 2026 में अबतक कंपनी के शेयरों का भाव 23 प्रतिशत गिरा है। वहीं, 6 महीने से शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को 31 प्रतिशत का नुकसान उठाना पड़ा है। हालांकि, एक साल में ऑटो कंपनी के शेयरों की कीमतों में 3.67 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 6.46 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है।
एक बार अपने निवेशकों को डिविडेंड दिया है। कंपनी के शेयर 2025 में एक्स-डिविडेंड ट्रेड किया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 21 रुपये का डिविडेंड दिया था। आईपीओ का साइज 27000 करोड़ रुपये है। कंपनी का आईपीओ तीन दिन के लिए खुला था। हालांकि, रिटेल सेक्शन फिर भी पूरा सब्सक्राइब नहीं किया गया था। हुंडई मोटर इंडिया का इस समय 24 है। जोकि दर्शाता है कि यह स्टॉक ओवरसोल्ड जोन में है। सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार 29 में से 24 एक्सपर्ट्स ने इस स्टॉक को खरीदने की सलाह दी है। वहीं, 3 ने होल्ड करने की बात कही है। बता दें, 5 एक्सपर्ट्स ऐसे हैं जिन्होंने ऑटो स्टॉक को बेचने की बात कही है।

चुपचाप खत्म हो रही यह गैस, अस्पतालों से लेकर हाई-टेक फैक्ट्रियों तक में इस्तेमाल

नईदिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव से सप्लाई चेन हिल गई है। इस बीच हीलियम गैस चुपचाप ग्लोबल संकट के केंद्र में आ गई है। इसका इस्तेमाल अस्पतालों के स्कैन से लेकर हाई-टेक फैक्ट्रियों और सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री तक में होता है। यह दुनिया से अचानक खत्म होने लगी है। युद्ध की इसे बहुत बड़ी मार पड़ी है। इस महीने की शुरुआत में ग्लोबल हीलियम सप्लाई चेन को बड़ा झटका लगा। कतर के रास लफान औद्योगिक शहर पर ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों के कारण वहां काम रोकना पड़ा। रास लफान हीलियम उत्पादन का दुनिया का सबसे बड़ा केंद्र है। इससे रातों-रात ग्लोबल सप्लाई का लगभग एक-तिहाई हिस्सा खत्म हो गया। होर्मुज पर तेहरान की ओर से अपनी पकड़ मजबूत करने की कवायद के चलते सप्लाई और टाइट हो गई। इससे पश्चिमी देशों के जहाजों को 'केप ऑफ गुड होप' के रास्ते से घूमकर जाना पड़ा। इसने यात्रा का समय और नुकसान काफी बढ़ा दिया। लिक्विड हीलियम के लिए यह स्थिति और भी बदतर है। इसे बहुत कम तापमान पर रखना पड़ता है। लंबी यात्राओं में इसके उड़ने का खतरा रहता है।

हीलियम का इस्तेमाल कहां होता है: 1. गैर-जरूरी इस्तेमाल: हीलियम का सबसे आम गैर-जरूरी इस्तेमाल पार्टियों और फूलों के उद्योग में सजावटी गुब्बारों को भरने के लिए होता है। हालांकि, यह सांस्कृतिक रूप से लोकप्रिय है। लेकिन, यह इस्तेमाल 'बर्बादी' का एक मुख्य जरिया है। कारण है कि यह गैस आखिरकार वातावरण में रिसकर अंतरिक्ष में चली जाती है। वहां से इसे कभी वापस नहीं पाया जा सकता। इसी तरह, विज्ञापन वाले गुब्बारों और परेड की झांकियों में इसका इस्तेमाल गैर-जरूरी माना जाता है। ये काम ड्रोन डिस्प्ले जैसी वैकल्पिक तकनीकों या कुछ मामलों में हाइड्रोजन गैस से भी किए जा सकते हैं। इसके अलावा, घरेलू उपकरणों में छोटे-मोटे रिसाव का पता लगाने के लिए हीलियम का इस्तेमाल अक्सर गैर-जरूरी माना जाता है। कारण है कि सस्ती 'फॉर्मिंग गैस' (नाइट्रोजन-हाइड्रोजन का कॉम्बिनेशन) अक्सर दुनिया के दुर्लभ हीलियम भंडार को खत्म किए बिना वही काम कर सकती है।

2. जरूरी इस्तेमाल: हेल्थकेयर सेक्टर में हीलियम बहुत जरूरी है। खासकर मशीनों के लिए। यह एकमात्र एलिमेंट है जो सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट को -269 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा कर सकता है। यह वह तापमान है जो जीवन बचाने वाले डायग्नोस्टिक स्कैन के लिए मैग्नेट को चालू रखने के लिए जरूरी होता है। चिकित्सा के अलावा हीलियम सेमीकंडक्टर निर्माण और फाइबर ऑप्टिक्स में भी बहुत महत्वपूर्ण है।

होर्मुज ने हीलियम संकट को और गहरा दिया

क्यों महसूस होने लगा है खतरा

हीलियम संकट का असर पहले से ही प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में महसूस किया जा रहा है। दक्षिण कोरिया, जापान, ताइवान और चीन जैसे देश कतर से हीलियम के सबसे बड़े आयातकों में से हैं। वे सप्लाई को लेकर अब बढ़ती अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। कारण है कि मिडिल ईस्ट में पैदा हुई बाधाओं का असर ग्लोबल मार्केट पर पड़ रहा है। यहां तक कि उत्तरी अमेरिकी उपभोक्ता भी घरेलू उत्पादन के बावजूद आंशिक रूप से खाड़ी क्षेत्र से आने वाले हीलियम पर निर्भर हैं। ये सप्लाई चेन में तनाव की ग्लोबल प्रकृति को उजागर करता है। इस व्यापक प्रभाव ने ग्लोबल हीलियम मार्केट की संरचनात्मक कमजोरी को उजागर कर दिया है। यह अभी भी मुट्ठी भर क्षेत्रों में ही अत्यधिक केंद्रित है। ऐतिहासिक रूप से सप्लाई अमेरिका, कतर और रूस के 'तीन स्तंभों' पर टिकी रही है। इनमें से अकेले कतर वैश्विक उत्पादन में 30 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है।

भारत की उभरती कंपनियों में निवेश के साथ संपत्ति सृजन का अनूठा अवसर

भोपाल। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने अपनी यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस योजनाओं (यूलिप्स) के तहत आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह फंड ग्राहकों को उभरती हुई लिस्टेड कंपनियों के एक बड़े समूह में निवेश करने और एक अनुशासित, इंडेक्स-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से लंबी अवधि में संपत्ति बनाने में मदद करता है। यह फंड स्मॉलकैप 250 इंडेक्स को ट्रैक करता है, जिसमें निफ्टी 500 के अंतर्गत 251वें से 500वें स्थान तक की 250 कंपनियाँ शामिल होती हैं। हालाँकि, नियामकीय कारणों से कंपनी हमेशा इंडेक्स के अनुरूप सभी शेयर्स में उसी अनुपात में निवेश नहीं कर सकती, जिससे कभी-कभी ट्रैकिंग एरर हो सकता है। यह फंड उन छोटी सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश का अवसर देता है, जो अपने विकास के शुरुआती चरण में हैं और समय के साथ बढ़ने की क्षमता रखती हैं। इस नए फंड के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य निवेश अधिकारी श्री मनीष कुमार ने कहा, स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड ग्राहकों को उभरती कंपनियों की विकास क्षमता में भाग लेने और लंबे समय में धन बनाने का एक सरल और पारदर्शी तरीका प्रदान करता है। यह उन दीर्घकालिक निवेशकों के लिए उपयुक्त है, जो बाजार के विभिन्न सेक्टर्स में उभरती कंपनियों में व्यवस्थित निवेश चाहते हैं। इस फंड का नियम-आधारित तरीका निवेश में अनुशासन बनाए रखता है और अलग-अलग तरह के बिजनेस में निवेश का मौका देता है। खास बात यह है कि यह फंड फाइनेंशियल सर्विस, हेल्थकेयर और कैपिटल गुड्स जैसे कई क्षेत्रों की 250 उभरती कंपनियों में पैसा लगाता है। इससे निवेशक सिर्फ एक ही फंड के जरिए देश की अर्थव्यवस्था की कई नई और बढ़ती कंपनियों का हिस्सा बन सकते हैं। 27 फरवरी, 2026 तक के आँकड़ों के अनुसार, इस इंडेक्स ने पिछले एक साल में 15.36 प्रतिशत और पिछले पाँच सालों में हर साल औसतन 19.04 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है। चूँकि, यह पैसा शेयर बाजार में लगाया जाता है।

बाजार में भूचाल के बीच शुगर कंपनियों के स्टॉक की बढ़ी मिठास, निवेशकों में खरीदने की मची होड़

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजार में सोमवार को एक बार फिर से भारी बिकवाली का माहौल रहा। हालांकि, इस बिकवाली वाले माहौल में भी शुगर कंपनियों के शेयर डिमांड में रहे। इसमें कुछ शुगर कंपनियां ऐसी भी हैं जिनके शेयर पेनी कैटेगरी के हैं। ये शेयर - द्वारिकेश शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, श्री रेणुका शुगर्स लिमिटेड और बजाज हिन्दुस्तान शुगर के हैं। इन शेयरों की कीमत 50 रुपये से भी कम है।

इसके अलावा, ट्रेडिंग के दौरान प्राज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर करीब 2 पर्सेंट बढ़कर 326.65 रुपये पर पहुंच गया। इसके अलावा, ट्रेडिंग के दौरान धामपुर शुगर मिल्स लिमिटेड का शेयर करीब 8 पर्सेंट बढ़कर 146.45 रुपये तक जा पहुंचा। इसी तरह, ट्रेडिंग के दौरान डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का शेयर करीब 16 पर्सेंट बढ़कर 401.50 रुपये तक जा पहुंचा।

शुगर कंपनियों के शेयर में यह तेजी मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी उछाल के कारण है। दरअसल, एशियाई बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं और अब वे महीने भर में मजबूत बढ़त हासिल करने की राह पर हैं। ब्रेंट क्रूड 3 प्रतिशत तक उछलकर 116.5 प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो अपने हाल के उच्चतम स्तर 119

के करीब है। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से आमतौर पर वैकल्पिक ईंधन के तौर पर इथेनॉल की मांग और आकर्षण बढ़ जाता है। इसका सीधा फायदा चीनी कंपनियों को होता है, जिनमें से कई ने अब इथेनॉल उत्पादन के क्षेत्र में भी कदम रख दिया है।

कहने का मतलब है कि चीनी कंपनियां अब सिर्फ चीनी की बिक्री पर ही निर्भर नहीं हैं। वे इथेनॉल का उत्पादन भी करती हैं, जिसे पेट्रोल में मिलाया जाता है। जब कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो इथेनॉल ज्यादा फायदेमंद और मुनाफे वाला विकल्प बन जाता है। इससे कंपनियों को गन्ने का ज्यादा हिस्सा इथेनॉल उत्पादन में लगाने का मौका मिलता है, जिससे उनके मुनाफे (मार्जिन) में सुधार होता है। शेयरों में निवेशकों की दिलचस्पी फिर से जागने के पीछे यही एक मुख्य वजह है। इस बीच, दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक देश ब्राजील में चीनी का उत्पादन घटकर 40.3 मिलियन टन रहने का अनुमान है, जो पिछले साल 43.5 मिलियन टन था।

वैश्विक बाजार में चीनी की आपूर्ति कम होने से इसकी कीमतें बढ़ सकती हैं, जिसका फायदा भारतीय निर्यातकों को मिलेगा। वहीं, रुपया में लगातार आ रही गिरावट का फायदा निर्यातकों को मिलने की उम्मीद है क्योंकि निर्यात से कमाई में बढ़ोतरी की संभावना रहती है।

8वें वित्त आयोग को लेकर सरकार ने संसद में क्या कुछ बताया क्या 1 जनवरी से होगा लागू

नईदिल्ली, एजेंसी। डीएमके सांसद ए राजा ने पे कमीशन को लेकर संसद में सरकार से कई सवाल पूछे हैं। सरकार की तरफ से केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 3 नवंबर 2025 को ही 8वें पे कमीशन को नोटिफिकेशन चेयरमैन और सदस्यों की नियुक्ति के साथ जारी कर दिया था।

8वें पे कमीशन का गठन सरकार की तरफ से पिछले साल नवंबर में कर दिया गया है। अगले 18 महीनें में पे कमीशन अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। जिसके आधार पर सरकारी कर्मचारियों की पेंशन, सैलरी, एचआरए, डीए, इंक्रीमेंट पर फैसला करेगी। 8वें पे कमीशन को लेकर सरकार की तरफ से वित्त राज्य मंत्री ने कुछ सवालों के जवाब दिए हैं। सरकारी कर्मचारी और पेंशनर्स उम्मीद कर रहे हैं कि 8वां वित्त आयोग 1 जनवरी 2026 से ही लागू हो जाएगा। पे कमीशन का गठन नवंबर 2025 में किया गया था। तब से 18 महीने के अंदर अपनी रिपोर्ट को पे कमीशन जमा करवाएगा। बता दें, 7वां पे कमीशन 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो चुका है। आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस ने पे स्केल, भत्ता, पेंशन और अन्य सुविधाओं में बदलाव की सिफारिश की है। संगठन का कहना है कि 8वां वित्त आयोग 1 जनवरी 2026 से लागू किया जाना चाहिए। बता दें, अगर केंद्र सरकार ने 1 जनवरी की जगह भविष्य की किसी तिथि से इसे लागू किया तब की स्थिति में कर्मचारियों को भत्ता नहीं मिलेगा।

8वें पे कमीशन में क्या होगा बदलाव

डीएमके सांसद ए राजा ने पे कमीशन को लेकर संसद में सरकार से कई सवाल पूछे हैं। सरकार की तरफ से केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 3 नवंबर 2025 को ही 8वें पे कमीशन को नोटिफिकेशन चेयरमैन और सदस्यों की नियुक्ति के साथ जारी कर दिया था। आयोग सैलरी, भत्ता, पेंशन आदि अपनी सलाह देगा। उसी के आधार पर केंद्र सरकार की तरफ से फैसला किया जाएगा। सरकार की तरफ से दिए गए जवाब में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कब से इसे लागू किया जाएगा। केंद्रीय कर्मचारियों की लम्बे समय में 8वें पे कमीशन को लागू करने की डिमांड की जा रही थी।

लैंक्सेस को 2026 की दूसरी छमाही में व्यावसाय में उछाल आने की उम्मीद

मुंबई, एजेंसी। स्पेशलिटी केमिकल्स कंपनी लैंक्सेस के लिए वित्त वर्ष 2025 कमजोर बाजार परिस्थितियों और उच्च भू-राजनीतिक अनिश्चितता से प्रभावित रहा। कंपनी का कुल राजस्व 5.673 अरब यूरो रहा, जो पिछले वर्ष के 6.366 अरब यूरो की तुलना में 10.9 प्रतिशत कम है। एबिटा प्री एक्सेप्शनल्स 16.9 प्रतिशत घटकर 510 मिलियन यूरो रह गया, जबकि पिछले वर्ष यह 614 मिलियन यूरो था। पूरे वर्ष के लिए एबिटा मार्जिन प्री एक्सेप्शनल्स 9.0 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष 9.6 प्रतिशत था।

इस विकास के मुख्य कारण लगभग सभी ग्राहक उद्योगों में लगातार कमजोर मांग और उसके कारण बिक्री की मात्रा में कमी रही। कच्चे माल की खरीदारी की कीमतों में कमी तथा एशियाई क्षेत्र से कुछ व्यवसायों में कीमतों पर पड़ने वाले दबाव के चलते बिक्री मूल्यों में भी कमी आई। इसके अलावा, 1 अप्रैल 2025 को यूरेन सिस्टम्स बिजनेस यूनिट की बिक्री के बाद उससे होने वाले आय का न होना तथा प्रतिकूल मुद्रा प्रभाव भी ऑपरेटिंग परिणामों में गिरावट का कारण बने।

लैंक्सेस के सीईओ मैथियास जैशर्ट ने कहा, 2025 पूरे केमिकल उद्योग और लैंक्सेस दोनों के लिए बेहद मुश्किल साल रहा। 2026 में हम उम्मीद करते हैं कि वर्ष की दूसरी छमाही में सकारात्मक गति दिखेगी, उदाहरण के लिए जर्मन सरकार के इंफ्रास्ट्रक्चर स्टिमुलस प्रोग्राम के माध्यम से। इसलिए हमारे लिए 2026 का मार्गदर्शक सिद्धांत यही रहेगा कि हम उन चीजों को नियंत्रित करें जिन्हें हम नियंत्रित कर सकते हैं। इसका मतलब है हमारा फोकस लागत में कटौती जारी रखने, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और नए बाजार अवसर पैदा करने पर रहेगा।कंपनी ने पूरे वर्ष 2026 के लिए एबिटा प्री एक्सेप्शनल्स 450 से 550 मिलियन यूरो के बीच रहने का अनुमान जताया है।

लैंक्सेस ने वर्ष 2026 के लिए लागत-कटौती के अतिरिक्त उपाय शुरू किए हैं, जिसका लक्ष्य 2028 के अंत तक लगभग 100 मिलियन यूरो की स्थायी वार्षिक बचत उत्पन्न करना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कंपनी 550 अतिरिक्त नौकरियों में कटौती करने की योजना बना रही है - इनमें से लगभग दो-तिहाई जर्मनी में हैं। साथ ही सभी स्तरों पर सख्त लागत अनुशासन बनाए रखा जाएगा। मुख्य रूप से प्रशासनिक कार्यों पर इसका प्रभाव पड़ेगा। नौकरी में कटौती को यथासंभव सामाजिक रूप से जिम्मेदार तरीके से लागू किया जाएगा,

आईपीओ प्राइस से 60 प्रतिशत टूट गया शेयर

लगातार गिरावट, इस साल अब तक शेयर में करीब 12.5 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है

मुंबई, एजेंसी। जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड के शेयरों में आज सोमवार, 30 मार्च को तेज गिरावट देखने को मिली। कंपनी का शेयर करीब 6 प्रतिशत तक टूट गया। इसकी बड़ी वजह थी कंपनी के शेयरों पर लगा लॉक-इन पीरियड खत्म होना, जिसके बाद बड़ी संख्या में शेयर अब बाजार में ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, आज से करीब 1.21 करोड़ शेयर यानी कंपनी की कुल इक्विटी का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा ट्रेडिंग के लिए पात्र हो गया है। रिसर्च फर्म नुवामा के अनुसार, पिछले बंद भाव के हिसाब से इन शेयरों की वैल्यू करीब 515.4 करोड़ बैठती है। हालांकि, यह समझना जरूरी है कि लॉक-इन खत्म होने का मतलब यह नहीं है कि सभी शेयर तुरंत बाजार में बिकेंगे, बल्कि अब इन्हें बेचने की अनुमति मिल गई है। अगर कंपनी के शेयर के प्रदर्शन की बात करें तो जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड ने 30 सितंबर 2025 को 890 के इश्यू प्राइस पर शेयर बाजार में एंट्री की थी। लेकिन लिस्टिंग के बाद ही शेयर में गिरावट शुरू हो गई और कुछ ही समय में यह करीब 18 प्रतिशत टूट गया। वहीं, अपने निचले स्तर पर यह शेयर अपने इश्यू प्राइस से करीब 60 प्रतिशत तक नीचे जा चुका है।

शेयरहोल्डिंग पैटर्न पर नजर डालें तो दिसंबर तिमाही के अंत तक कंपनी के प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 57.33 प्रतिशत थी। इसके अलावा कुछ बड़े निवेशकों में अबाकस डायवर्सिफाइड अल्फा फंड के पास 2.28 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वहीं, सिंगुलैरिटी इक्विटी फंड ढ्ढ और सिंगुलैरिटी ग्रोथ अपॉर्चुनिटीज फंड के पास क्रमशः 1.45 प्रतिशत और 1.33 प्रतिशत हिस्सेदारी दर्ज की गई थी। रिटेल निवेशकों की बात करें तो करीब 71,500 छोटे निवेशकों, जिनकी निवेश सीमा 2 लाख तक है, के पास कंपनी की 17.1 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यानी इस स्टॉक में छोटे निवेशकों की भी अच्छी-खासी भागीदारी देखने को मिलती है, जो गिरावट के समय चिंता का कारण बन सकती है। सोमवार के कारोबार के दौरान जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड का शेयर 5.9 प्रतिशत गिरकर 403.3 के इंट्राडे लो तक पहुंच गया। सुबह करीब 11 बजे यह 5.6 प्रतिशत की गिरावट के साथ 404.5 पर ट्रेड कर रहा था। इस साल अब तक शेयर में करीब 12.5 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है।

कोटक महिंद्रा बैंक का कहना है कि भारत में अब गोल्ड लोन की छवि बदल रही

भोपाल। कोटक महिंद्रा बैंक का कहना है कि भारत में अब गोल्ड लोन की छवि बदल रही है। पहले जहाँ इसे मजबूरी में लिया जाने वाला आखिरी रास्ता माना जाता था और इससे एक सामाजिक संकोच जुड़ा था, अब यह एक सोची-समझी योजना का हिस्सा बनता जा रहा है। बैंक के मुताबिक, लोग अब घर में रखे पुश्तैनी गहनों का इस्तेमाल करके मॉर्टगेज (संपत्ति पर ऋण) या बिना गारंटी वाले लोन (अनसिक्योर्ड लोन्स) के मुकाबले ज़्यादा आसानी से, तेज़ी से और कम ब्याज पर पैसा ले रहे हैं। कोटक महिंद्रा बैंक के प्रेसिडेंट और हेड गोल्ड लोन्स, श्रीपद जाधव ने कहा, यह लोगों के व्यवहार में आया एक साफ़ बदलाव है। गोल्ड लोन अब केवल संकट या परेशानी से जुड़ा नहीं रहा है। स्थिर आय और संपत्तियों वाले ग्राहक अब अपनी गोल्ड ज्वेलरी को अस्थायी रूप से गिरवी रखकर फंड्स का उपयोग कर रहे हैं, ताकि वे समय के लिहाज से महत्वपूर्ण अवसरों का फायदा उठा सकें। यह छोटी अवधि की जरूरतों को पूरा करने का एक अनुशासित तरीका है। सोने की कीमतों में आई तेज़ उछाल के कारण घरों में रखी ज्वेलरी की वैल्यू काफी बढ़ गई है। इससे परिवारों को अपनी छोटी और मध्यम अवधि की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने और सामने आने वाले नए अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिल रही है। जाधव ने आगे कहा, यह व्यवहार रिटेल उधारकर्ताओं में बढ़ते कन्वीनियंस-क्रेडिट (सुविधाजनक ऋण) के ट्रेंड को दर्शाता है, क्योंकि गोल्ड लोन के लिए बहुत ही कम कागज़ी कार्रवाई की ज़रूरत होती है। कोटक महिंद्रा बैंक ने बताया कि गोल्ड लोन लेने वाले ग्राहकों का दायरा काफी बढ़ा है, क्योंकि अब इसे समाज में हर स्तर पर स्वीकार किया जा रहा है। एक समय जिस प्रोडक्ट का इस्तेमाल समाज के एक सीमित वर्ग द्वारा ही किया जाता था, अब उसे हर कोई अपना रहा है। सैलरीड प्रोफेशनल्स, बिजनेसमैन और एचएनआई अब बिजनेस बढ़ाने, शिक्षा, प्रॉपर्टी में निवेश और अन्य जरूरतों के लिए इसकी स्पीड, लचीलेपन और कम लागत की वजह से तेज़ी से गोल्ड लोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। जाधव ने कहा, लागत और समय का फायदा साफ़ दिखता है। गोल्ड लोन पर ब्याज दरें आमतौर पर अनसिक्योर्ड क्रेडिट (जैसे पर्सनल लोन) से कम होती हैं, मंजूरी तुरंत मिलती है और चुकाने के विकल्प भी लचीले हैं।

पोल्का डॉट ड्रेस में दिखीं नूपुर सैनन क्या घर आने वाला है नन्हा मेहमान?

नूपुर सैनन का हालिया पोल्का डॉट ड्रेस लुक चर्चा का विषय बन गया है, जिसके बाद फैंस उनसे खुशखबरी को लेकर सवाल कर रहे हैं। बॉलीवुड में पोल्का डॉट ड्रेस और प्रेग्नेंसी के कनेक्शन को देखते हुए ये अटकलें लगाई जा रही हैं, हालांकि नूपुर और स्टेबिन बेन ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री नूपुर सैनन को उनके पति और मशहूर गायक स्टेबिन बेन के साथ एक खुशनुमा अंदाज में देखा गया। यह कपल मोहित और अक्षा कंबोज की बेटी, मिशका कंबोज के जन्मदिन के जश्न में शामिल होने पहुंचा था। इस पार्टी में नूपुर की मौजूदगी ने सबका ध्यान खींचा, लेकिन उससे भी ज्यादा चर्चा उनकी पोल्का डॉट ड्रेस की हो रही है। नूपुर इस लुक में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, पर सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इसे एक खास संकेत के रूप में देखना शुरू कर दिया है। दरअसल, इंटरनेट यूजर्स का मानना है कि बॉलीवुड में पोल्का डॉट ड्रेस और प्रेग्नेंसी का एक अनोखा कनेक्शन रहा है। अनुष्का शर्मा से लेकर नताशा स्टेनकोविक तक, कई अभिनेत्रियों ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबर साझा करने से पहले पोल्का डॉट ड्रेस में तस्वीरें पोस्ट की थीं।

कृति सैनन

'कॉकटेल 2' में देखने को मिलेगा अलग अंदाज, बोलीं- 'पिछली फिल्मों से बिल्कुल अलग है'

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सैनन जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' में नजर आने वाली है। हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि फिल्म में उनका बिलकुल अलग ही अंदाज देखने को मिलेगा। उन्होंने आगे क्या कहा बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सैनन ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ा दिया है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उनका किरदार अब तक का सबसे बोल्ड रोल है। होमी अदजानिया के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में फ्रेश कास्ट और मॉडर्न रोमांस की झलक देखने को मिलेगी, जिसे लेकर फैंस के बीच पहले से ही काफी एक्साइटेड है। कृति सैनन ने अपने हालिया एक इंटरव्यू में बताया कि इस फिल्म में उनका लुक और किरदार उनकी पिछली फिल्मों से बिल्कुल अलग है। उनका कैरेक्टर काफी स्टाइलिश, कॉन्फिडेंट और फैशन-फॉरवर्ड है, जिसे उन्होंने पहले कभी स्क्रीन पर नहीं निभाया। बता दें, अपकमिंग रोमांटिक कॉमेडी कॉकटेल 2 में शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आएंगे. फिल्म को होमी अदजानिया डायरेक्ट कर रहे हैं, जो पहले भी ओरिजिनल कॉकटेल का निर्देशन कर चुके हैं। यह फिल्म नई कहानी और किरदारों के साथ पेश की जाएगी, लेकिन इसमें 2012 की हिट फिल्म कॉकटेल वाला ही फील बरकरार रखा गया है।'कॉकटेल 2' को एक स्पिरिचुअल सीक्वल माना जा रहा है, जिसमें रोमांस, ग्लैमर और आज के रिश्तों से जुड़े मुद्दों को दिखाया जाएगा. यह फिल्म जून 2026 में रिलीज होने वाली है।

राजा नहीं, पर सबसे महान योद्धा! 'स्वयंभू' के डायरेक्टर ने बताया क्यों खास है निखिल सिद्धार्थ स्टारर यह ऐतिहासिक फिल्म

यह फिल्म भारतीय इतिहास के उस स्वर्णिम काल की एक सच्ची ऐतिहासिक कहानी पर आधारित है, जब भारत एक समुद्री महाशक्ति था और एक बेहद समृद्ध देश और साम्राज्य था; यह एक ऐसे योद्धा के सफर को दिखाती है जो शायद सबसे बेहतरीन योद्धाओं और युद्ध रणनीतिकारों में से एक था, फिर भी उसे बड़े पैमाने पर पहचान नहीं मिली और उसके बारे में बहुत कम बात की जाती है। 'स्वयंभू', जिसमें 'कार्तिकेय 2' फेम निखिल सिद्धार्थ लीड रोल में हैं, सबसे ज्यादा इंतज़ार की जाने वाली फिल्मों में से एक है और हाल ही में रिलीज़ हुए टीज़र के जरिए इसने दर्शकों के बीच जबरदस्त बज बना दिया है। सेंगोल की मौजूदगी भी कहानी में न्याय और पारंपरिक मूल्यों की एक परत जोड़ती है। दर्शकों के दिल को छू लेने वाले इस टीज़र को 18 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी ने जोर देते हुए कहा कि फिल्म 'स्वयंभू' एक सच्ची कहानी पर आधारित है और इसकी प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए सालों तक रिसर्च की गई है। उन्होंने बताया , 'स्वयंभू एक सच्ची घटना पर आधारित है, जिसे हमने सिनेमाई फॉर्मेट में ढालने के लिए कहानी में थोड़े बदलाव किए हैं। हालांकि, हमारा मकसद हमेशा से एक ऐसी कहानी पेश करना रहा है जो हकीकत के जितना मुमकिन हो सके करीब हो। हमने कई सालों तक काफी रिसर्च की है ताकि हम फिल्म में दिखाए गए ऐतिहासिक तथ्यों के प्रति ईमानदार रह सकें। 'उन्होंने यह भी बताया कि यह फिल्म प्राचीन भारत के एक ऐसे नायक के सफर को सामने लाती है, जिसके योगदान ने भारत को एक समृद्ध सांस्कृतिक और व्यापारिक केंद्र बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, 'एक बार जब आप फिल्म देखेंगे, तो आपको उस राजा, साम्राज्य और उस दुनिया का अंदाजा हो जाएगा जिसमें यह कहानी रची गई है। हालांकि, हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती हमारे नायक के सफर को दिखाना था, जो कोई राजा नहीं था। मेरी राय में, वह हमारे अब तक के सबसे बेहतरीन योद्धाओं और युद्ध रणनीतिकारों में से एक है, फिर भी बहुत से लोग उसके बारे में बात नहीं करते हैं। मेरी फिल्म एक तरह से प्राचीन भारत के इस नायक की 'ऑरिजिन स्टोरी' है, जिसने भारत को एक बड़ा सांस्कृतिक और व्यापारिक केंद्र बनाने में बहुत बड़ा योगदान दिया था। डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी के नेतृत्व में बन रहे इस प्रोजेक्ट में 'KGF' और 'सालार' फेम रवि बस्रूर का म्यूजिक है, 'बाहुबली' और 'RRR ' के सिनेमैटोग्राफर के.के. सेंथिल कुमार के शानदार विजुअल्स हैं, और 'बाहुबली' फेम तम्मीराजू की एडिटिंग है, साथ ही कई और बड़े नाम इससे जुड़े हैं। करीब 170 दिनों की लंबी शूटिंग के साथ, यह प्रोजेक्ट हाल के समय के सबसे बड़े और महत्वाकांक्षी प्रोडक्शंस में से एक है। 'स्वयंभू' को पिक्सल स्टूडियोज के भुवन और श्रीकर ने प्रोड्यूस किया है। भारत के समृद्ध इतिहास और गौरव को एक महाकाव्य की तरह श्रद्धांजलि देने वाली यह फिल्म समर 2026 में पूरी दुनिया में रिलीज के लिए तैयार है।

दूसरी बार मां बनीं सोनम कपूर, बेबी बॉय को दिया जन्म

एक्ट्रेस सोनम कपूर के लिए रविवार का दिन बेहद खास रहा। एक्ट्रेस दूसरी बार मां बनी हैं, उन्होंने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। इसकी जानकारी सोनम ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए दी है। सोनम अब दो बच्चों की मां बन गई हैं। सोनम कपूर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'बेहद शुक्रगुजार और प्यार से भरे दिलों के साथ, हमें अपने बेटे के आने की खुशखबरी सुनाते हुए बहुत खुशी हो रही है। हमारा परिवार और बड़ा हो गया है और उसके आने से हमारे दिल खुशियों से और भी ज्यादा भर गया है।' 'रांझणा' फेम अभिनेत्री ने बताया कि उनका बड़ा बेटा वायु अब छोटे भाई को पाकर बहुत खुश है। सोनम ने आगे लिखा, 'वायु अपने छोटे भाई का स्वागत करके बहुत उत्साहित और खुश है और हम इस अनमोल नई जिंदगी के लिए खुद को बहुत धन्य महसूस करते हैं, जिसने हमारे घर को खुशियों और प्यार से भर दिया है। 'पोस्ट के अंत में सोनम और आनंद ने लिखा, 'हम चार लोगों के परिवार के रूप में इस खूबसूरत नए सफर की शुरुआत करने के लिए शुक्रगुजार हैं।'इस खुशखबरी को लेकर सोनम के परिवार और दोस्तों की ओर से ढेरों शुभकामनाएं मिलीं। करीना कपूर ने लिखा, 'बधाई हो सोना और आनंद।' सोनम की बहन रिया कपूर ने दिल वाले इमोजी के साथ खुशी जताई। सोनम के चाचा संजय कपूर ने भी रेड हार्ट इमोजी के साथ अपनी खुशी जाहिर की। इसके अलावा, दीया मिर्जा और हुमा कुरैशी ने भी कमेंट सेक्शन में बधाई दी। सोनम कपूर ने पिछले साल नवंबर में अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। उन्होंने एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की थी जिसमें वह हॉट पिंक रंग का शानदार सूट पहने नजर आई थीं। कैप्शन में सिर्फ एक शब्द लिखा था - 'मां। 'सोनम कपूर ने मई 2018 में बिजनेसमैन आनंद आहूजा से शादी की थी। दोनों कई सालों से रिश्ते में थे। सोनम ने अगस्त 2022 में अपने पहले बेटे वायु को जन्म दिया था।

विवेक अग्निहोत्री ने की 'धुरंधर' की तारीफ, सिनेमैटोग्राफी व प्रोडक्शन डिजाइन को बताया विश्वस्तरीय

आदित्य धर की स्पाई-एक्शन थ्रिलर फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' को भले ही रिलीज हुए कुछ समय बीत गया हो लेकिन इसकी चर्चा अभी भी जोरों पर है। हर कोई फिल्म की कहानी, एक्शन और पूरी टीम की मेहनत की खुलकर तारीफ कर रहा है। इस दौरान मशहूर निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने फिल्म की खूब सराहना की। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए आदित्य धर और उनकी टीम को बधाई दी। विवेक ने अपनी पोस्ट में बताया कि वे कई दिनों से कैलिफोर्निया के गांव में थे, जिस वजह से फिल्म नहीं देख पाए थे लेकिन बाद में धुरंधर देखने के लिए लॉस एंजेलिस का सफर किया। निर्देशक ने लिखा, 'शाबाश। एक बार फिर आदित्य धर ने फिल्म्स के जरिए कमाल कर दिया। सच में मुझे नहीं पता क्या कहूं....फिल्म खुद इतनी अच्छी है कि उस पर कुछ जोड़ना सिर्फ शोर होगा। 'उन्होंने आगे पूरी टीम की जमकर सराहना की और खास तौर पर दो क्राफ्ट्स को सम्मान दिया। उन्होंने लिखा, 'फिल्म में हर किसी ने बेहतरीन काम किया है। लेकिन मैं खास तौर पर दो कम चर्चित क्राफ्ट्स को सम्मान देना चाहता हूं, जिन्होंने इस फिल्म को और भी महान बनाया। पहला-विकास की विश्वस्तरीय सिनेमैटोग्राफी यानी कैमरा वर्क और दूसरा-सैनी जोहराय का शानदार प्रोडक्शन डिजाइन। 'विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि सिनेमा में कैमरा और प्रोडक्शन डिजाइन एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। जब दोनों में पूरा सामंजस्य होता है, तभी फिल्म मास्टरपीस बनती है। धुरंधर में दोनों ने जो तालमेल दिखाया, वह नई मिसाल कायम करेगा। उन्होंने दोनों को दिल से सलाम किया। विवेक ने लिखा, 'और आदित्य, एक छोटा सा सुझाव। आप होशियार हैं और अपना रास्ता जानते हैं। बस पूरे सिस्टम के प्रति सतर्क रहें। कभी-कभी यह उतना ही चुनौतीपूर्ण व आकर्षक होता है और टीम के धुरंधर के बाकी सभी लोग, आप सब कमाल के हो। 'बता दें कि आदित्य धर द्वारा निर्देशित और रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' हाल के भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी बॉक्स ऑफिस हिट फिल्मों में से एक बनकर उभरी है। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर सभी भाषाओं में अच्छा रिस्पांस मिल रहा है और शो भी हाउसफुल जा रहे हैं।

विजय माल्या और ललित मोदी बनेंगे

अर्जुन रामपाल

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल ओटीटी सीरीज 'बिलियनेयर' में उद्योगपति विजय माल्या और ललित मोदी से प्रेरित किरदार निभाते नजर आ सकते हैं। हंसल मेहता की अपकमिंग ओटीटी सीरीज 'बिलियनेयर' की घोषणा के साथ ही इंडस्ट्री में चर्चाएं तेज हो गई हैं। अर्जुन रामपाल इस सीरीज में एक ताकतवर उद्योगपति की भूमिका में नजर आएंगे, जिसकी कहानी महत्वाकांक्षा, सत्ता और नैतिक पतन के इर्द-गिर्द घूमती है।भले ही निर्माता इसे पूरी तरह काल्पनिक बता रहे हैं, लेकिन कहानी में नजर आ रही समानताओं ने अटकलों को हवा दे दी है। चर्चा है कि अर्जुन रामपाल इस सीरीज में विजय माल्या और ललित मोदी से प्रेरित किरदार निभाते नजर आ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार 'बिलियनेयर' का मुख्य किरदार किसी एक व्यक्ति पर आधारित नहीं है, बल्कि कई वास्तविक हस्तियों के गुणों का मिश्रण हो सकता है, जिससे कहानी और ज्यादा प्रभावशाली बनती है। हंसल मेहता इससे पहले भी 'स्कैम' जैसी चर्चित सीरीज में सच और फिक्शन के बीच की रेखा को बारीकी से पेश कर चुके हैं, जिससे इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। फिलहाल मेकर्स ने कहानी को लेकर चुप्पी साध रखी है, लेकिन इतना तय है कि 'बिलियनेयर' सत्ता, सफलता और उसकी कीमत की एक दिलचस्प कहानी पेश करेगी। इस सीरीज का निर्देशन हंसल मेहता और रॉबी ग्रेवाल ने किया है। लेखन अनुभाव चोपड़ा और शांतनु सागर का है, जबकि प्रभलीन संधू ने इसे ऑलमाइटी मोशन पिक्चर के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। यह शो अमेजऩ एमएक्स प्लेयर की ओरिजिनल लाइनअप का हिस्सा है।

(साभार एजेंसी)

रोहित ने अपनी सबसे तेज आईपीएल फिफ्टी लगाई

● विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा ● एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाए, मुंबई का सबसे बड़ा रनचेज

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल में अपना सबसे बड़ा रन चेज किया। टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हरा दिया। वानखेड़े स्टेडियम में रोहित शर्मा ने अपनी सबसे तेज आईपीएल फिफ्टी लगाई। वे किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर भी बने।

रोहित के अब कोलकाता के खिलाफ 1161 रन हो गए हैं। इस जीत के साथ मुंबई ने 14 साल बाद आईपीएल में अपना पहला मैच जीत लिया। टीम ने 2012 में आखिरी बार टूर्नामेंट में ऐसा किया था। तब चेन्नई सुपर किंग्स को हराया था।

मुंबई ने आईपीएल में अपना सबसे बड़ा रनचेज किया –मुंबई इंडियंस ने आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा रनचेज पूरा करते हुए 224 रन का लक्ष्य हासिल किया। इससे पहले टीम का दूसरा सबसे बड़ा चेज 219 रन का था, जो उसने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 2021 में किया था।

सबसे तेज आईपीएल फिफ्टी लगाई – रोहित शर्मा ने ने सिर्फ 23 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। यह आईपीएल में उनकी सबसे तेज फिफ्टी है। इससे पहले उनका सबसे तेज अर्धशतक 25 गेंदों में आया था, जो उन्होंने 2015 के फाइनल में चेन्नई के खिलाफ लगाया था।

रोहित ने 50वीं बार आईपीएल में 50+ स्कोर बनाया – रोहित ने आईपीएल में 50वीं बार 50+ स्कोर बनाया। वे इस सूची में चौथे स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 72 स्कोर के साथ टॉप पर हैं। उनके बाद डेविड वॉर्नर (66) और शिखर धवन (53) का नंबर आता है।

रोहित किसी टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर – रोहित ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा 1161 रन बनाए हैं। वे किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इस सूची में विराट कोहली पंजाब किंग्स (1159) और चेन्नई सुपर किंग्स (1146) के खिलाफ रन बनाकर दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

रहाणे ने मुंबई के खिलाफ छठी बार 50+ स्कोर बनाया – अजिंक्य रहाणे ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ छठी बार 50+ स्कोर बनाया। वे इस लिस्ट में शिखर धवन, क्रिस गेल, मनीष पांडे और विराट कोहली के साथ चौथे स्थान पर हैं, जबकि केएल राहुल 9 अर्धशतकों के साथ टॉप पर हैं। -

कुंबले की आईपीएल टीमों को चेतावनी, रोहित का 2.0 अवतार सभी के लिए चिंता का सबब बनेगा

भारत के पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रोहित शर्मा की बैटिंग की जमकर तारीफ की। च्य्क्रके खिलाफ रोहित ने आईपीएल इतिहास की सबसे तेज फिफ्टी बनाई थी। कुंबले ने कहा कि इस सीजन में रोहित अपने '2.0 अवतार' में आए हैं, जो लीग की दूसरी टीमों के लिए चिंता का सबब बनेगा। कुंबले ने जियोस्टार पर कहा, ऐसा लगता है कि रोहित शर्मा अपने 2.0 अवतार में वापस आ गए हैं, और उनकी पारी से पता चलता है कि वह फिर से छा जाने के लिए तैयार हैं। जिस तरह से उन्होंने मैदान के चारों ओर गेंद को हिट किया, उससे मुझे उनके सुनहरे दौर की याद आ गई। वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन और ब्लेसिंग मुजरबानी जैसे गेंदबाजों के खिलाफ छक्के मारना आसान नहीं होता, लेकिन रोहित ने इसे आसान बना दिया। यह एक शानदार पारी थी, बिल्कुल वैसी ही जैसी हमने वानखेड़े में देखी है, जहां वह पहली ही गेंद से गेंदबाजों पर हावी हो जाते हैं। छक्के मारना आसान लग रहा था, और भले ही बाउंड्री छोटी थीं, लेकिन उनके शॉट सीधे स्टैंड्स में जा रहे थे। यह पारी दिखाती है कि रोहित पूरी तरह से तैयार हैं और उनका यह नया रूप सभी आईपीएल टीमों के लिए चिंता का सबब बनेगा।

नरेन सबसे ज्यादा आईपीएल मैच खेलने वाले विदेशी – सुनील नरेन आईपीएल में सबसे ज्यादा 190 मैच खेलने वाले विदेशी खिलाड़ी हैं। उनके बाद कीरोन पोलार्ड (189) दूसरे स्थान पर हैं, जबकि एबी डिविलियर्स और डेविड वॉर्नर 184-184 मैच के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

मुंबई इंडियंस 300 आईपीएल मैच खेलने वाली पहली आईपीएल टीम – मुंबई इंडियंस 300 आईपीएल मैच खेलने वाली पहली टीम बन गई। इंग्लिश टीम समरसेट और पाकिस्तान ने टी-20 में सबसे ज्यादा 303-303 मैच खेले हैं।

टेलर-कैटरीना की जोड़ी ने जीता मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब

मियामी। अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा ने मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब अपने नाम किया। टेलर–कैटरीना की जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में इटली की सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी की जोड़ी को 7–6 (0), 6–1 से हराया। इस जीत के साथ टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा 'सनशाइन डबल' पूरा करने वालीं साल 2019 के बाद पहली जोड़ी बन गई हैं। साल 2019 में यह खास उपलब्धि एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका की जोड़ी ने हासिल की थी। टेलर टाउनसेंड और कैटरीना

सिनियाकोवा की जोड़ी सनशाइन डबल पूरा करने वाली छठी महिला जोड़ी बनी है। इससे पहले यह मुकाम जाना नोवोत्ना और हेलेना सुकोवा (1990), लिसा रेमंड और रेने स्टब्स (2002), लिसा रेमंड और सामंथा स्टोसुर (2006, 2007), मार्टिना हिंगिस और सानिया मिर्जा (2015), एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका (2019) की जोड़ी हासिल कर चुकी हैं। नथासा जेवरवा (1997), हिंगिस (1999), और बेथानी माटेक–सैंड्स (2016) ने अलग–अलग पार्टनर के साथ एक ही साल में दोनों टूर्नामेंट जीते हैं। टाउनसेंड और सिनियाकोवा ने एक साथ यह अपना पांचवां खिताब जीता है, जिसमें दो ग्रैंड स्लैम (2024 विंबलडन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन) शामिल हैं। इस जीत के बाद टाउनसेंड और सिनियाकोवा डबल्स रेस में एक स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 3 पर पहुंच जाएंगी, जबकि एरानी और पाओलिनी नंबर 8 से नंबर 6 पर पहुंच सकती हैं। ट्रॉफी वितरण के दौरान सिनियाकोवा ने टाउनसेंड का साथ खेलने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, 'मेरे साथ खेलने के लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। इसलिए मेरे साथ खेलने और इस टूर्नामेंट को मजेदार बनाने के लिए धन्यवाद। मैं आपके साथ इस समय का सच में मजा ले रही हूं।' यह दोनों खिलाड़ियों का दूसरा मियामी फाइनल था। टाउनसेंड 2023 के फाइनल में लेयला फर्नांडीज के साथ पहुंची थीं और सिनियाकोवा 2018 के फाइनल में साथी चेकियाई बारबोरा क्रेजसिकोवा के साथ खेली थीं। वहीं, एरानी और पाओलिनी ने भी इंडियन वेल्स में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था और मियामी ओपन में रनर–अप बने, जिससे उनकी रैंकिंग में सुधार होने की उम्मीद है।

आईपीएल 2026

पहले मुकाबले में खुद को साबित करने उतरेंगे अय्यर और गिल

मुल्लांपुर (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर टी20 बल्लेबाज शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जब इंडियन प्रीमियर लीग के पहले मैच में क्रमशः गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स की अगुवाई करेंगे तो उनका इरादा खुद को साबित करने का भी होगा। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान गिल को टी20 टीम का उपकप्तान बनाया गया था लेकिन बाद में विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया। उनकी जगह संजू सैमसन को चुना गया था जिनका भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान रहा।

वर्ष 2023 के बाद से आईपीएल में गिल से ज्यादा रन सिर्फ विराट कोहली ने बनाए हैं लेकिन अब फोकस निरंतरता की बजाय स्ट्राइक रेट पर है। गिल का टी20 करियर का स्ट्राइक रेट 138 है लेकिन पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। अब बल्लेबाजी कोच के तौर पर मैथ्यू हेडन स्टाफ का हिस्सा है लिहाजा गिल की छक्के मारने के कौशल और बल्लेबाजी पर नजर रखी जाएगी।

हार्दिक पंड्या के जाने के बाद से गिल ने कप्तानी का जिम्मा भी बखूबी संभाला है। अपने पदार्पण वर्ष 2022 में आईपीएल खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस पिछले साल तीसरे स्थान पर रही। एक बार फिर टीम काफी संतुलित लग रही है। सलामी बल्लेबाज गिल और साइ सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत हैं। सुदर्शन ने पिछले सत्र में सर्वाधिक 759 रन बनाए थे। वह पसली के फ्रेक्चर से उबरकर लौट रहे हैं लेकिन घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात के पास विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र जैसे विकल्प भी हैं जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 160 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाये थे।

पंजाब किंग्स के लिए एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा जो तीन अलग अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं। उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स 2020 में और पंजाब पिछले सत्र में फाइनल तक पहुंची जबकि केकेआर ने 2024 में खिताब जीता था। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद श्रेयस को भारतीय टी20 टीम में जगह नहीं मिली और भारत के लिए आखिरी टी20 उन्होंने दिसंबर 2023 में खेला था।

टीमें

पंजाब किंग्स – श्रेयस अय्यर (कप्तान), निहाल वढेरा, विष्णु विनोद, हरनूर पन्नू, पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बरार, मार्को यानसेन, अजमतुल्लाह उमरजइ, प्रियांश आर्य, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाख विजयकुमार, यश ठाकुर, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे और विशाल निषाद।

गुजरात टाइटंस – शुभमन गिल (कप्तान), साइ सुदर्शन, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, टॉम बेंटोन, ग्लेन फिलिप्स, निशांत सिंधू, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद अरशद खान, साइ किशोर, जयंत यादव, जैसन होल्डर, राहुल तेवतिया, शाहरूख खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर सिंह बरार, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, ल्यूक वुड, कुलवंत हेजरोलिया, राशिद खान।

हार्दिक ने मिहिका को 1.7 करोड़ की कार गिफ्ट की

दोनों शोरूम पर साथ दिखे, अक्टूबर में अपने रिश्ते का खुलासा किया था

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने अपनी गर्लफ्रेंड मिहिका शर्मा को करीब 1.7 करोड़ रुपए की मर्सिडीज बेंज वी क्लास कार गिफ्ट की है। रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक और मिहिका दोनों शोरूम पर साथ दिखे, जहां उन्होंने इस कार को डिलीवर करवाया। हार्दिक लग्जरी कारों के शौकीन हैं और हाल ही में उन्होंने खुद के लिए भी एक महंगी फरारी खरीदी थी। वहीं, क्रिकेट के मैदान पर भी हार्दिक की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने इतिहास रच दिया है। टीम ने 13 सालों के सूखे को खत्म करते हुए सीजन का अपना पहला मैच जीत लिया है। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मुंबई ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 6 विकेट से हराया।

अक्टूबर 2025 में किया था अपने रिश्ते का खुलासा – हार्दिक और मिहिका शर्मा ने अक्टूबर 2025 में अपने रिलेशनशिप को पब्लिक किया था। इसके बाद से ही मिहिका को अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों और क्रिकेट स्टेडियम में हार्दिक के साथ देखा जाता रहा है। हाल ही में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जब टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीती, तब भी मिहिका जीत के जश्न के दौरान हार्दिक के साथ मौजूद थीं।

2024 में नताशा स्टेनकोविच से हुआ तलाक – हार्दिक ने साल 2024 में सर्बियाई मॉडल नताशा स्टेनकोविच से तलाक लिया था। दोनों की मुलाकात 2020 में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान हुई थी, जिसके बाद उन्होंने उसी साल शादी कर ली थी।

30 जुलाई 2020 को उनके बेटे अगस्त्य का जन्म हुआ। जुलाई 2024 में हार्दिक और नताशा ने आपसी सहमति से अलग होने का निर्णय लिया। अब हार्दिक और नताशा मिलकर अपने बेटे अगस्त्य की परवरिश कर रहे हैं।

हार्दिक का जैस्मीन वालिया के साथ नाम जुड़ा – नताशा से अलग होने के बाद हार्दिक का नाम मॉडल-सिंगर जैस्मीन वालिया के साथ जुड़ा। दोनों को कई मौकों पर एक ही लोकेशन पर स्पॉट किया गया था। दोनों एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर फॉलो भी करते थे लेकिन कुछ समय बाद दोनों की राहें अलग हो गई। पिछले साल अक्टूबर में हार्दिक और मिहिका ने अपने रिश्ते को पब्लिक किया। हार्दिक ने अपने जन्मदिन के मौके पर मिहिका के साथ इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं।

भारतीय हॉकी सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 31 खिलाड़ियों की घोषणा

मिडफील्ड की जिम्मेदारी कप्तान सलीमा टेटे पर

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी ने सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 31 खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। यह कैंप 1 से 9 अप्रैल तक आयोजित होगा, जिसमें भारतीय टीम आने वाले बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की तैयारी करेगी। हाल ही में टीम ने एफआईएच वर्ल्ड कप क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता था।

वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स की तैयारी पर फोकस – भारतीय टीम अब एफआईएच हॉकी महिला वर्ल्ड कप 2026 की तैयारी में जुट गई है। इसके अलावा टीम जून में नेशंस कप, अगस्त में वर्ल्ड कप और फिर एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेगी। ऐसे में यह कैंप टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गोलकीपिंग और डिफेंस में अनुभवी खिलाड़ियों को मौका – गोलकीपिंग यूनिट में सविता, माधुरी किंडो, बंसारी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम को शामिल किया गया है। डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, ईशिका चौधरी, ज्योति सिंह, ललथांतलुआंगी और शिल्पी डबास जैसे खिलाड़ियों को जगह मिली है। टीम मैनेजमेंट डिफेंस को और मजबूत बनाने पर काम करेगा।

युवा खिलाड़ियों को भी दिया गया मौका – मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे, सुषिला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी फाल्के और नेहा को शामिल किया गया है। इनके अलावा साक्षी राणा और सुनेलिता टोप्पो जैसे युवा खिलाड़ियों को भी मौका दिया गया है। मिडफील्ड में टीम का संतुलन और बॉल कंट्रोल सुधारने पर खास ध्यान रहेगा।

फॉरवर्ड लाइन में कई स्टार खिलाड़ी शामिल

फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर, दीपिका, लालरेम्सियामी, मुमताज खान, ब्यूटी डुंगडुंग और हिना बानो जैसे खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। टीम की कोशिश होगी कि अटैक को और मजबूत किया जाए और गोल करने की क्षमता बढ़ाई जाए।

कोच स्जोर्ड मेरिन ने क्या कहा

टीम के कोच स्जोर्ड मेरिन ने कहा कि यह कैंप आने वाले बड़े टूर्नामेंटों की तैयारी का अहम हिस्सा है। उनका फोकस टीम की फिटनेस, स्ट्रेटजी और मैच प्रेशर में बेहतर प्रदर्शन पर रहेगा। उन्होंने कहा कि टीम को बड़े मैचों के लिए मानसिक रूप से भी मजबूत बनाना जरूरी है।

ग्रीन के गेंदबाजी ना करने पर बोले कप्तान रहाणे

'आपको यह सवाल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछना चाहिए'

मुंबई। आईपीएल 2026 के दूसरे मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को मुंबई इंडियंस के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। केकेआर की ओर से कैमरून ग्रीन ने इस मुकाबले में गेंदबाजी नहीं की। इसको लेकर जब कप्तान अजिंक्य रहाणे से सवाल पूछा गया, तो उन्होंने इस बात का जवाब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से मांगने की सलाह दी। कैमरून ग्रीन नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे और उन्होंने 10 गेंदों में एक चौके एक छक्के की मदद से 18 रन बनाए। हालांकि, मुंबई के बल्लेबाजों की शानदार बैटिंग के बावजूद कैमरून ग्रीन को गेंदबाजी अटैक पर नहीं लगाया गया। मैच के बाद ग्रीन के गेंदबाजी ना

करने का कारण पूछा गया, जिसके जवाब में रहाणे ने कहा, 'आपको यह सवाल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछना चाहिए।' रहाणे ने उम्मीद जताई कि ग्रीन जल्द ही गेंदबाजी करना शुरू करेंगे, जिससे टीम के गेंदबाजी अटैक का संतुलन बेहतर होगा। उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि ग्रीन जल्द ही गेंदबाजी शुरू कर देंगे और कॉम्बिनेशन थोड़ा अलग होगा। हमने बहुत अच्छी बैटिंग की, लेकिन गेंद के साथ संतुलन बनाना बहुत जरूरी है।' केकेआर ने ग्रीन को ऑक्शन में 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। केकेआर के गेंदबाज 221 रनों के विशाल लक्ष्य का बचाव करने में नाकाम रहे। वैभव अरोड़ा काफी महंगे साबित हुए और उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ एक विकेट लेकर 52 रन खर्च किए। वहीं, ब्लेसिंग मुजारबानी ने 3 ओवर में बिना कोई विकेट चटकाए 34 रन दिए। वरुण चक्रवर्ती भी काफी महंगे रहे और उन्होंने 4 ओवर में 10.80 की इकोनॉमी से 48 रन दिए। वरुण के हाथ एक भी सफलता नहीं लगी। सुनील नरेन भी 3 ओवर में 30 रन देने के बाद सिर्फ एक ही विकेट निकाल सके। कार्तिक त्यागी का भी हाल कुछ ऐसा ही रहा और उन्होंने 43 रन देकर एक विकेट चटकाया।

हालांकि, केकेआर के बल्लेबाजों का प्रदर्शन जरूर दमदार रहा। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 3 चौके और 5 छक्कों की मदद से 67 रन बनाए। वहीं, अंगकृष रघुवंशी ने महज 29 गेंदों का सामना करते हुए 51 रनों की शानदार पारी खेली। फिन एलन भी अच्छी लय में दिखाई दिए, और उन्होंने 17 गेंदों में 37 रन बनाए। अंत के ओवरों में रिंकू सिंह ने 21 गेंदों में नाबाद 33 रनों का योगदान दिया।

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से 20 जहाजों को गुजरने की अनुमति दी : ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने सोमवार सुबह से अगले कुछ दिन तक होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते तेल के 20 जहाजों को गुजरने की अनुमति देने पर सहमति जताई है। ट्रंप ने रविवार रात एयर फोर्स वन पर पत्रकारों से कहा, मैं बस इतना कहूंगा कि बातचीत में काफी प्रगति हुई है।

लेकिन ईरान के मामले में कभी भी पूरी तरह भरोसा नहीं किया जा सकता। हम उनसे बातचीत करते हैं और फिर हालात ऐसे मोड़ ले लेते हैं कि हमें उन्हें ताकत से जवाब देना पड़ता है। ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या ईरान ने अमेरिका की ओर से प्रस्तावित 15-सूत्रीय संघर्षविराम योजना पर प्रतिक्रिया दी है, तो उन्होंने कहा, हां, जवाब मिला है। उन्होंने अधिकांश बिंदुओं पर सहमति जताई है। वे आखिर ऐसा क्यों नहीं करेंगे? ट्रंप ने कहा, वे हमारी योजना पर सहमत हो रहे हैं। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई शायद जीवित हैं, लेकिन स्पष्ट है कि वह संकट में हैं। वह बुरी तरह घायल हैं।

उत्तरी ईरान में पेट्रोकेमिकल संयंत्र पर हमला

दुबई, भाषा। ईरान के उत्तरी क्षेत्र में सोमवार तड़के एक पेट्रोकेमिकल संयंत्र पर हमला किया गया। ईरानी मीडिया के अनुसार देश के उत्तरी प्रांत में तबरीज पेट्रोकेमिकल की एक इकाई को निशाना बनाया गया लेकिन राहत की बात यह है कि हमले के बाद किसी तरह के खतरनाक पदार्थ के रिसाव की सूचना नहीं है। यह कंपनी कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस को संसाधित कर उन्हें रासायनिक उत्पादों में बदलती है, जिनका इस्तेमाल प्लास्टिक और अन्य रसायन बनाने में होता है।

स्पेन ने ईरान युद्ध में शामिल अमेरिकी विमानों के लिए हवाई क्षेत्र बंद किया

मैड्रिड, भाषा। रक्षा मंत्री मार्गरीटा रोबल्स ने सोमवार को घोषणा की कि स्पेन ने ईरान युद्ध में शामिल अमेरिकी विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। स्पेन ने पहले ही कह दिया था कि अमेरिका उसके देश में स्थित संयुक्त सैन्य अड्डों का इस्तेमाल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से संबंधित अभियानों के लिए नहीं कर सकता। रोबल्स ने पत्रकारों से कहा, यह बात अमेरिकी सेना और बलों को शुरू से ही स्पष्ट कर दी गई थी। इसलिए न तो इन अड्डों के इस्तेमाल की अनुमति है और न ही ईरान युद्ध से संबंधित किसी भी कार्रवाई के लिए स्पेन के हवाई क्षेत्र का उपयोग किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के नेतृत्व वाली स्पेन सरकार पश्चिम एशिया में अमेरिकी और इजराइली सैन्य कार्रवाईयों की सबसे मुखर आलोचक रही है।

ईरान के मिसाइल हमले के बाद इजराइली तेल रिफाइनरी के निकट आग जलती दिखी

दुबई, भाषा। उत्तरी इजराइल के हाइफा शहर में एक तेल रिफाइनरी पर सोमवार को आग लग गई। घटनास्थल की वीडियो फुटेज में यह आग दिख रही है। वीडियो में एक बड़े रिफाइनरी टैंक में आग की लपटें और घना काला धुआं दिखाई दिया, जिसे इजराइल की अग्निशमन एवं बचाव सेवाओं ने जल्दी ही बुझा दिया। यह स्पष्ट नहीं हो सका कि आग मिसाइल हमले से लगी थी या किसी मलबे के गिरने से। इजराइल में केवल दो ही रिफाइनरियां हैं और यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इजराइल ने ईरान के साउथ पार्स प्राकृतिक गैस क्षेत्र और अन्य पेट्रोकेमिकल स्थलों पर हमले किए हैं।

रिवोल्यूशनरी गार्ड के नौसेना प्रमुख मारे गए: ईरान

दुबई, भाषा। ईरान ने रिवोल्यूशनरी गार्ड के नौसेना प्रमुख अलीरजा तंगसिरी की मौत की सोमवार को पुष्टि की। इजराइल ने बृहस्पतिवार को दावा किया था कि उसने ईरानी नौसेना के रियर एडमिरल तंगसिरी को मार गिराया है। सोमवार को ईरानी सरकारी टेलीविजन पर रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक बयान में कहा गया कि तंगसिरी गंभीर रूप से घायल होने के बाद अल्लाह के पास चले गए। बयान में ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए रखने में मदद करने के उनके प्रयासों की सराहना की गई। बयान में कहा गया, हर लड़ाका तंगसिरी है। हम देखेंगे कि आने वाले दिनों और महीनों में वे क्या-क्या चौंकाने वाले कारनामे करते हैं। इस बीच, सरकारी मीडिया ने यह भी बताया कि सोमवार को तेहरान के उत्तर पश्चिम में लगभग 530 किलोमीटर की दूरी पर एक पेट्रोरसायन संयंत्र पर हमला हुआ। दमकलकर्मियों ने घटनास्थल पर लगी आग को बुझा दिया।

ईरान ने दी अमेरिकी-इजराइली अधिकारियों के आवास को निशाना बनाने की चेतावनी

दुबई, भाषा। ईरान की संयुक्त सैन्य कमान के प्रवक्ता ने रविवार को चेतावनी दी कि अब अमेरिका और इजराइल के अधिकारियों के निजी आवास को निशाना बनाया जाएगा। पश्चिम एशिया में एक माह से अधिक समय से जारी युद्ध भयावह होता जा रहा है। यह धमकी इजराइल तथा पश्चिम एशिया में रहने वाले अमेरिका और इजराइल के सैन्य तथा राजनीतिक अधिकारियों को लक्षित है। ईरान की संयुक्त सैन्य कमान के प्रवक्ता इब्राहिम जुल्फिकारी ने कहा कि अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान के विभिन्न शहरों में नागरिकों के घरों को निशाना बनाए जाने के बाद यह फैसला लिया गया है।

लेबनान के उग्रवादी समूह हिज्बुल्ला ने इजराइल पर हमले करके ईरान युद्ध में प्रवेश किया

हमारे निष्कासित राजदूत लेबनान नहीं छोड़ेंगे : ईरान

» बेरूत, भाषा।

ईरान ने लेबनान द्वारा ईरानी राजदूत को निष्कासित किए जाने संबंधी आदेश को मानने से सोमवार को इनकार कर दिया और कहा कि वह वहीं रहेंगे। इससे बेरूत में तनाव और बढ़ गया है, जो ईरान समर्थित हिज्बुल्ला और इजराइल के बीच जारी लड़ाई की चपेट में आ गया है। लेबनान ने ईरान की राजनयिक मौजूदगी को कमज़ोर करने और उसके दूतावास में राजदूत के बजाय एक प्रभारी रखने के प्रयास में राजदूत मोहम्मद रज़ा शिबानी को अवांछनीय व्यक्ति घोषित कर दिया था, लेकिन, देश छोड़ने की समयसीमा रविवार की थी। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने पत्रकारों से कहा, लेबनान में हमारा दूतावास सक्रिय है। उन्होंने कहा, संबंधित लेबनानी निकायों द्वारा की गई टिप्पणियों और निकाले गए निष्कर्षों के बाद, हमारे राजदूत बेरूत में अपना मिशन जारी रखेंगे और वह अब भी वहीं हैं।

लेबनानी अधिकारियों ने टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई जवाब नहीं दिया। यह स्पष्ट नहीं है कि लेबनान आगे क्या कदम उठाएगा या इससे राजनयिक संबंधों पर क्या असर पड़ेगा। बताया जा रहा है कि ईरानी राजदूत दूतावास में ही हैं, जहाँ माना जाता है कि उन्हें राजनयिक छूट प्राप्त है। लेबनान के उग्रवादी समूह हिज्बुल्ला ने इजराइल पर हमले करके ईरान युद्ध में प्रवेश किया, जिसके जवाब में इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर हमला कर दिया और राजधानी बेरूत के कुछ हिस्सों पर बमबारी की। लेबनान के स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि1,200 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं, और दस लाख से ज़्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने सोमवार को एक्स पर कहा, आज सुबह, ईरानी राजदूत बेरूत में कॉफ़ी पी रहे हैं और मेज़बान देश का मज़ाक उड़ा रहे हैं। हिज़्बुल्ला को निरस्त्र करने के बढ़ते दबाव के बीच, लेबनान ने इस महीने की शुरुआत में इसकी सैन्य गतिविधियों के साथ-साथ ईरान के विशिष्ट रिवोल्यूशनरी गार्ड की गतिविधियों पर भी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। इसके बाद राजदूत को निष्कासित करने का आदेश आया।

कुवैत में ईरानी हमलों में एक भारतीय नागरिक की मौत

दुबई, भाषा। पश्चिम एशिया में एक महीने से जारी संघर्ष में रविवार को कुवैत में एक बिजली और जल अलवणीकरण संयंत्र पर ईरान के हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। इस घटना के साथ ही पश्चिम एशिया में इस युद्ध में मारे गए भारतीय नागरिकों की संख्या आठ हो गई है। सरकारी समाचार एजेंसी केयूएनए के अनुसार कुवैत के विद्युत, जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि हमले के दौरान उसके बिजली और जल शोधन संयंत्र परिसर की एक इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत की पुष्टि की है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वह कुवैत में एक जल अलवणीकरण संयंत्र पर हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की दुखद मृत्यु पर गहरी संवेदना व्यक्त करता है। दूतावास ने कहा, वह हर संभव सहायता और सहयोग प्रदान करने के लिए कुवैत के अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। अधिकारियों ने इस घटना को बर्बर हमला करार दिया है। हालांकि जिस संयंत्र को निशाना बनाया गया, उसकी पहचान उजागर नहीं की गई है। कुवैत के विद्युत, जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की प्रवक्ता फातिमा जौहर हयात ने भी हमले में भारतीय नागरिक के मारे जाने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने और प्रभावों से निपटने के लिए तकनीकी और आपात प्रतिक्रिया दलों को तुरंत मौके पर तैनात किया गया। हयात के अनुसार, विशेषज्ञ टीम सुरक्षा एजेंसियों और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय करते हुए क्षतिग्रस्त परिसर को सुरक्षित करने में जुटी हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि देशभर में बिजली और पानी आपूर्ति नेटवर्क की संचालन क्षमता सामान्य बनी हुई है। पिछले सप्ताह संयुक्त अरब अमीरात में हवाई रक्षा प्रणाली द्वारा नष्ट की गई मिसाइलों के मलबे के सड़क पर गिरने से एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी।

ईरान ने जल्द संघर्ष विराम नहीं किया तो उसके असैन्य ढांचे को निशाना बनाया जाएगा : ट्रंप

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान को नए सिरे से धमकी देते हुए कहा कि अगर शांति समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका ईरान के बिजली संयंत्रों, तेल के कुओं और खार्ग द्वीप को नेस्तनाबूद कर देगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच पर कहा कि उनका प्रशासन सैन्य अभियानों को समाप्त करने के लिए ईरान के साथ गंभीर बातचीत कर रहा है। उन्होंने साथ ही धमकी दी कि यदि शीघ्र कोई समझौता नहीं होता है तो खाड़ी देश के ऊर्जा संसाधनों को बड़े पैमाने पर नष्ट कर दिया जाएगा।

इंदिरा गांधी के हत्यारे के रिश्तेदार की पहचान न्यूजीलैंड में जाहिर की करने की अनुमति मिली: खबर

» वेलिंगटन, भाषा।

इंदिरा गांधी के हत्यारों में से एक के भतीजे की पहचान न्यूजीलैंड की अदालत में पहचान गुप्त रखने का मुकदमा हारने के बाद जाहिर कर दी गई है। उसे मादक पदार्थ से जुड़े एक मामले में दोषी करार दिया गया था। स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी है। न्यूजीलैंड के वेब पोर्टल स्टफ ने शनिवार को खबर दी कि बलतेज सिंह को 700 किलोग्राम से अधिक मेथमफेटामाइन आयात करने के आरोप में 22 साल कारावास की सजा सुनाई गई है। यह न्यूजीलैंड के अधिकारियों द्वारा जब्त की गई अब तक की सबसे बड़ी मात्रा है।

वह स्थाई रूप से अपना नाम गुप्त रखने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहा था। इससे पहले, 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या करने वाले उनके अंगरक्षकों में से एक सतवंत सिंह के भतीजे बलतेज सिंह के नाम को स्थाई रूप से सार्वजनिक नहीं करने का आदेश यहां के उच्च न्यायालय ने दिया था। अदालत ने यह आदेश बलतेज की इस दलील को स्वीकार करते हुए सुनाया था कि यदि उसकी पहचान उजागर हो जाती है तो उसे और उसके परिवार को अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। खबर के मुताबिक न्यूजीलैंड के अधिकारियों ने इस फैसले के खिलाफ अपील की, और पिछले साल नवंबर में अपील न्यायालय ने फैसला सुनाया कि सिंह का नाम उजागर किया जा सकता है। खबर के मुताबिक ऑकलैंड के पूर्व व्यवसाई बलतेज ने इस मामले को लेकर उच्चतम न्यायालय का रुख किया था, लेकिन अब उसने वह अपील वापस ले ली, जिससे न्यूजीलैंड मीडिया के लिए उनकी पहचान उजागर करने का रास्ता साफ हो गया। स्टफ ने कहा कि उसने भी बलतेज की पहचान को उजागर नहीं करने के प्रयास का विरोध किया। इससे पहले अभियोजन पक्ष ने अदालत में दलील दी कि भारतीय मीडिया पहले ही बलतेज सिंह की पहचान उजागर कर चुकी है। खबर के मुताबिक अदालत में जमा हलफनामे में बलतेज सिंह के पिता ने दलील दी कि उनका परिवार दुनिया भर में सिखों और हिंदुओं के बीच बदनाम हो गया है और लगातार हिंसा, धमकियों का सामना करता रहा है।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों के हमले में कम से कम बीस लोगों की मौत

अबुजा (नाइजीरिया), भाषा। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य क्षेत्र में रात में एक समुदाय पर हुए हमले में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। निवासियों और अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य की सूचना आयुक्त जॉयस लोह्या रामनाप ने एक बयान में कहा कि यह हमला रविवार रात पठारी राज्य के जोस नॉर्थ क्षेत्र के गारी या वाए समुदाय पर किया गया। उन्होंने मृतकों की संख्या नहीं बताई, लेकिन कहा कि कई लोगों की जान गई है और कुछ घायल हुए हैं। रामनाप ने कहा कि राज्य सरकार ने फिर से हमलों को रोकने के लिए 48 घंटे का कर्फ्यू लगा दिया है। किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन निवासियों ने एपी को बताया कि बाइक पर सवार कई बंदूकधारियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। एक निवासी इबुकुन फालोडुन ने बताया कि 20 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तानः खैबर पख्तूनख्वा में भारी बारिश के कारण नौ लोगों की मौत

» पेशावर, भाषा।

पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले सप्ताह से हो रही भारी बारिश के कारण आठ बच्चों सहित नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 47 लोग घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) द्वारा जारी प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, 25 मार्च से खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में लगातार हो रही बारिश के कारण घरों की छतों और दीवारों के गिरने से अधिकांश लोगों की मौत हुई। बयान के मुताबिक, मृतकों में आठ बच्चे और एक महिला शामिल है, जबकि 47 लोग घायल हुए।

अधिकारियों ने आवासीय संपत्तियों को संरचनात्मक क्षति की भी सूचना दी है, जिसमें बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम छह मकानों को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है। बारिश के कारण प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में बन्नू और उत्तरी वजीरिस्तान जिले शामिल हैं। अधिकारियों ने स्थानीय प्रशासनों को निर्देश दिया है कि प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री समय पर पहुंचाई जाए। प्रांत के विभिन्न जिलों में मंगलवार तक रुक-रुककर बारिश जारी रहने की आशंका है। अधिकारियों ने आम लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, संवेदनशील पर्यटन स्थलों से दूर रहने और सरकारी एजेंसियों द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री को हेयरलाइन फ्रैक्चर हुआ, शिखर सम्मेलन के दौरान गिरने से लगी चोट

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के कंधे में हेयरलाइन फ्रैक्चर हो गया। डार के बेटे ने बताया कि यह चोट उन्हें मिस्र के अपने समकक्ष के स्वागत समारोह के दौरान फिसलकर गिरने से लगी। यह घटना रविवार को पाकिस्तान, सऊदी अरब, तुर्की और मिस्र के विदेश मंत्रियों के बीच पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा के लिए आयोजित चतुष्पक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान हुई।

विदेश मंत्रालय पहुंचने के बाद डार मंच पर मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलत्ती को आमंत्रित करने के दौरान गिर पड़े। डार के बेटे अली डार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, इशाक डार ने आज मिस्र के विदेश मंत्री के स्वागत के दौरान चोट लगने के बावजूद, सभी महत्वपूर्ण बैठकें बेहतरीन तरीके से पूरी कीं...। उन्होंने बताया कि रात करीब नौ बजे उनकी मेडिकल जांच की गई जिसमें कंधे में हेयरलाइन फ्रैक्चर होने की जानकारी मिली।

चीन ने छह साल बाद उत्तर कोरिया के लिए उड़ान सेवा शुरू की

» बीजिंग, भाषा।

चीन ने सोमवार को बीजिंग से उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू की। इससे कुछ समय पहले दोनों देशों की राजधानियों के बीच ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू की गई थीं। चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार चीनी राजदूत वांग याजून और अन्य राजनयिकों ने उत्तर कोरिया में एयर चाइना की उड़ान का स्वागत किया।

इससे पहले 12 मार्च को चीन और उत्तर कोरिया के बीच यात्री ट्रेन सेवा शुरू की गई थी। साल 2020 में कोविड-19 महामारी की शुरुआत से उत्तर कोरिया तक उड़ान और ट्रेन सेवाएं बंद थीं। उत्तर कोरिया की विमानन कंपनी एयर कोर्यो ने 2023 में दोनों राजधानियों के बीच सेवाएं फिर से शुरू की थीं।

दक्षिण प्रशांत महासागर में वानूआतू के समीप आया 7.3 तीव्रता का भूकंप

वेलिंगटन, भाषा। दक्षिण प्रशांत महासागर में वानूआतू के समीप सोमवार को जबर्दस्त भूकंप आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप का केंद्र लगभग 115 किलोमीटर की गहराई पर था। कम गहराई पर आने वाले भूकंप सतह पर अधिक तीव्रता से महसूस किए जाते हैं। यह भूकंप वानूआतू के लुगानविले से लगभग 35 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में आया। तत्काल किसी प्रकार की क्षति या सुनामी लहरों की कोई खबर नहीं है। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि भूकंप से संबंधित कोई प्रारंभिक सुनामी चेतावनी, सलाह या खतरा नहीं है।

रूस ने ब्रिटेन के राजनयिक को जासूसी के आरोप में निष्कासित किया

» मास्को, भाषा।

रूस ने ब्रिटेन के एक राजनयिक को जासूसी के आरोप में सोमवार को निष्कासित कर दिया और उसे दो सप्ताह के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया है। संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने यह जानकारी दी। एफएसबी (सोवियत काल में केजीबी के नाम से मशहूर) ने कहा, ब्रिटेन के राजनयिक जेन्स वान रेंसबर्ग की (राजनयिक) मान्यता रद्द करने का निर्णय लिया गया है और उन्हें दो सप्ताह के भीतर रूस छोडने का आदेश दिया गया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को रूस में ब्रिटेन की कार्यवाहक राजदूत डैनी ढोलकिया को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया।

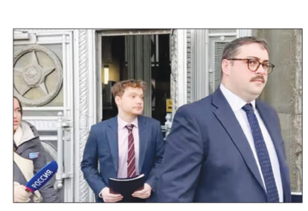

यह कार्रवाई उस खुलासे के बाद की गई, जिसमें कहा गया है कि ब्रिटिश दूतावास के एक राजनयिक कर्मचारी ने देश में प्रवेश करते समय अपने बारे में जानबूझकर गलत जानकारी दी थी। एफएसबी ने कहा कि अपनी काउन्टर इंटेलीजेंस गतिविधियों के दौरान, उसने मॉस्को स्थित ब्रिटिश दूतावास की आड़ में ब्रिटेन की एक अघोषित खुफिया उपस्थिति का पता लगाया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा, रूसी कानून के उल्लंघन के कारण और राजनयिक संबंधों पर 1961 की वियना संधि के अनुच्छेद नौ के अनुसार, ब्रिटेन को इस व्यक्ति की मान्यता रद्द किए जाने की सूचना दे दी गई है। रूस के विदेश मंत्रालय के अनुसार, एफएसबी की जांच में यह सामने आया कि द्वितीय सचिव ने वीज़ा आवेदन में जानबूझकर गलत जानकारी दी थी, जो रूसी कानून का सीधा उल्लंघन है। इसके अतिरिक्त, एजेंसी ने रेंसबर्ग की खुफिया और विध्वंसकारी गतिविधियों में संलिप्तता के संकेत भी पाए, जिनसे रूस की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो गया था। इससे पहले, जनवरी में रूस ने ब्रिटिश दूतावास के द्वितीय सचिव को जासूसी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में निष्कासित कर दिया था।

इंडिगो ने शंघाई-कोलकाता के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू की

बीजिंग, भाषा। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने सोमवार को शंघाई और कोलकाता के बीच अपनी दैनिक उड़ान सेवा शुरू की, जिससे भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क को मजबूती मिलेगी। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने इंडिगो6ई उड़ान सेवा का उद्घाटन किया। शंघाई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी दी कि इंडिगो के प्रबंधन से मुलाकात में माथुर ने कहा कि यह नई उड़ान सेवा भारत और क्षेत्र के बीच हवाई संपर्क बढ़ने और आर्थिक संबंधों में सकारात्मक संकेत है। इंडिगो और एयर इंडिया जैसी भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने शंघाई को नई दिल्ली और कोलकाता जैसे महानगरों से जोड़ना शुरू कर दिया है। नई दिल्ली के बाद कोलकाता दूसरा भारतीय महानगर है जो अब चीन की वाणिज्यिक राजधानी शंघाई से जुड़ा है। अधिकारियों के अनुसार, एयर चाइना 21 अप्रैल को बीजिंग और नई दिल्ली के बीच सीधी उड़ान शुरू करने की योजना बना रही है। माथुर ने कहा कि शंघाई-कोलकाता नई उड़ान भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में भी विकास को बढ़ावा देगी। भारत और चीन ने पांच साल के गतिरोध के बाद पिछले साल अक्टूबर में दोनों देशों के विभिन्न शहरों के बीच उड़ानों को फिर से शुरू किया था।

ऊर्जा मंत्री रह चुके खड्का को धन शोधन से जुड़े एक मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था

नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्री ओली की गिरफ्तारी के खिलाफ लगातार तीसरे दिन प्रदर्शन

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहे। इस बीच, प्राधिकारियों ने धन शोधन को लेकर तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों के खिलाफ जांच तेज कर दी है। ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को पिछले साल सितंबर में जेन-जेड समूह के नेतृत्व में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों को दबाने में उनकी भूमिका के आरोप में गत शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया था। इन विरोध-प्रदर्शनों के दौरान लगभग दो दर्जन युवाओं समेत 76 लोग मारे गए थे। बालेंद्र शाह के नेतृत्व में हाल ही में गठित नई सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में जेन-जेड विरोध-प्रदर्शनों की जांच करने वाले आयोग की रिपोर्ट लागू करने का फैसला लिया था, जिसके बाद ओली और लेखक को गिरफ्तार कर लिया गया।

ओली नीत कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) और उसके सहयोगी संगठनों एवं छात्र इकाइयों के सैकड़ों कार्यकर्ता सोमवार सुबह नया बनेश्वर क्षेत्र में इकट्ठा हुए। उन्होंने हाथों में तख्तियां थाम रखी थीं, जिन पर केपी ओली को तुरंत रिहा करो और बदले की राजनीति बंद करो जैसे नारे लिखे हुए थे। सोमवार को हुए विरोध-प्रदर्शन सीपीएन-यूएमएल की ओर से शनिवार और रविवार को किए गए प्रदर्शन के मुकाबले शांतिपूर्ण रहे। रविवार को दंगा पुलिस के साथ झड़प में सीपीएन-यूएमएल के एक दर्जन से अधिक कार्यकर्ता घायल हो गए थे। इस बीच, नेपाल के धन शोधन जांच विभाग (डीएमएलआई) और पुलिस ने पूर्व मंत्री दीपक खड्का की गिरफ्तारी के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और पुष्प कमल दाहाल प्रचंड के खिलाफ जांच तेज कर दी है। द काठमांडू पोस्ट की खबर के मुताबिक, मामले की विस्तृत जांच शुरू करने से पहले विभाग ने लगभग छह महीने तक प्रारंभिक जांच की थी। ऊर्जा मंत्री रह चुके खड्का को धन शोधन से जुड़े एक मामले के सिलसिले में पिछले रविवार को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की शिकायत के बाद सोमवार को महाराजगंज स्थित त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। खड्का पर ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान परियोजनाओं के लिए लाइसेंस एवं अनुबंध दिलाने में मदद के बदले वित्तीय लाभ हासिल करने का आरोप है। पिछले साल जेन जेड के विरोध-प्रदर्शन के दौरान ऐसी तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे, जिनमें खड्का, देउबा और प्रचंड के आवास पर जले हुए नोट के टुकड़े दिख रहे थे।

न्यायालय ने के पी शर्मा की गिरफ्तारी पर नेपाल की बालेंद्र शाह सरकार से मांगा स्पष्टीकरण

काठमांडू। नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने नवगठित बालेंद्र शाह सरकार को पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की गिरफ्तारी के संबंध में स्पष्टीकरण मांगते हुए सोमवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया। उच्चतम न्यायालय ने ओली की पत्नी राधिका शाक्य की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के जवाब में यह आदेश जारी किया। शाक्य ने कल यह याचिका दायर कर उनकी तत्काल रिहाई की मांग की थी। हालांकि, न्यायमूर्ति मेघराज पोखरेल की एकल पीठ ने पूर्व प्रधानमंत्री को तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया। ओली को पिछले साल आठ और नौ सितंबर को हुए जनरेशन जेड के विरोध प्रदर्शनों पर हिंसक कार्रवाई में संलिप्त रहने को लेकर 28 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। हिंसा में 76 लोग मारे गए थे। यह गिरफ्तारी नवगठित बालेंद्र शाह सरकार द्वारा अपनी पहली मंत्रिमंडलीय बैठक में जनरेशन जेड के विरोध प्रदर्शनों पर जांच आयोग की रिपोर्ट को लागू करने का निर्णय लिए जाने के बाद हुई।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com